page 1 and 8 jan 24_page 1 Mar 25 final ds.qxd 1/24/2026 12:43 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 सड़क दुर्घटना में बलिदान हुए 10 सैनिकों को सेना ने दी श्रद्धांजलि
5 सरफराज खान का दोहरा शतक, मुंबई ने पहली पारी में बनाए 560 रन
8 पशुपालन एक उभरता हुआ व्यवसाय

न्यूनतम 8 मौसम जम्मू अधिकतम 15

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-22 | जम्मू तवी, शनिवार 24 जनवरी, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

गणतंत्र दिवस समारोह को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था : कश्मीर आईजीपी

श्रीनगर, 23 जनवरी । कश्मीर जोन के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) वी.के. बर्डी ने शुक्रवार को कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए श्रीनगर समेत पूरे कश्मीर घाटी में बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। मीडिया से बात करते हुए आईजीपी बर्डी ने बताया कि जम्मू और कश्मीर पुलिस ने अर्धसैनिक बलों के साथ मिलकर सुरक्षा घेरा कड़ा कर दिया है ताकि कार्यक्रम सुचारू रूप से संपन्न हो सकें। उन्होंने कहा कि ये व्यवस्थाएं श्रीनगर समेत पूरी घाटी में लागू हैं और इनका उद्देश्य समारोह में शामिल होने वालों और आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा, गणतंत्र दिवस के मुख्य कार्यक्रम अलग-अलग जिलों में आयोजित किए जाएंगे, जहां समारोहों के दौरान मुख्य अतिथियों को सलामी दी जाएगी। आईजीपी ने कहा, श्रीनगर में मुख्य कार्यक्रम बख्शी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा जहां पुलिसकर्मियों, स्कूली बच्चों और आम जनता के परेड में भाग लेने की उम्मीद है।

सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता आवश्यक सेवाओं की बहाली है: मुख्यमंत्री उमर

श्रीनगर, 23 जनवरी । मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कहा कि कश्मीर घाटी में हाल ही में हुई बर्फबारी से नुकसान और व्यवधान तो हुए हैं लेकिन यह क्षेत्र की दीर्घकालिक जल सुरक्षा और गर्मियों में पानी की मांग को पूरा करने के लिए आवश्यक है।

मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री उमर ने बताया, तेज हवाओं ने बिजली व्यवस्था को ठप कर दिया है जिससे बिजली आपूर्ति सामान्य 1,700 मेगावाट के मुकाबले घटकर लगभग 100 मेगावाट रह गई है। तेज हवाओं के कारण हमारी पूरी व्यवस्था ठप हो गई है। लेकिन विभाग धीरे-धीरे बिजली व्यवस्था को ठीक कर रहा है और उम्मीद है कि आपूर्ति जल्द से जल्द बहाल कर दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आवश्यक सेवाओं की बहाली सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। उन्होंने कहा कि प्राथमिकता वाली सड़कों को पहले साफ किया जा रहा है, उसके बाद द्वितीयक मार्गों को और आश्वासन दिया कि सभी सड़कों को चरणबद्ध तरीके से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा, फिलहाल हमारा ध्यान बिजली, सड़कों और पानी पर है। बाकी चीज़ों पर बाद में विचार किया जाएगा। अब्दुल्ला ने कहा कि घाटी में गर्मियों के महीनों के लिए सर्दियों में होने वाली बर्फबारी बहुत ज़रूरी है, खासकर चिल्लाई कलां के दौरान होने वाली बर्फबारी।उन्होंने कहा, सर्दियों में गिरने वाली बर्फ गर्मियों में हमारे लिए फायदेमंद होती है। धीरे-धीरे पिघलने से जल संसाधनों को बनाए रखने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा साथ ही यह भी जोड़ा कि अचानक बर्फ पिघलने से अक्सर समस्याएं पैदा होती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि घाटी इस मौसम में धैर्यपूर्वक बर्फ का इंतजार कर रही थी। हालांकि उन्होंने असमान वितरण का जिक्र करते हुए कहा कि कश्मीर के अधिकांश हिस्सों में बर्फबारी हुई जबकि श्रीनगर में बहुत कम बर्फ गिरी। उन्होंने कहा, यह अजीब मौसम है। हवाई अड्डे पर भी लगभग चार इंच बर्फ गिरी लेकिन श्रीनगर के कुछ हिस्से इससे वंचित रह गए, और शहर में भी बर्फबारी की उम्मीद जताई।

जम्मू-कश्मीर में मुठभेड़, बिलावर इलाके में मारा गया जैश कमांडर उस्मान

जम्मू, 23 जनवरी । जम्मू और कश्मीर पुलिस, सेना और सीआरपीएफ के संयुक्त अभियान में कठुआ जिले के बिलावर इलाके में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से जुड़े एक पाकिस्तानी आतंकवादी को मार गिराया गया है। पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) जम्मू भीम सेन तुती ने बताया कि यह अभियान जम्मू-कश्मीर पुलिस की एक छोटी टीम ने सेना और सीआरपीएफ के साथ मिलकर कठुआ जिले के बिलावर इलाके में चलाया। इसी मुठभेड़ में जैश कमांडर उस्मान मारा गया। इसके बाद कठुआ पुलिस ने सीआरपीएफ और भारतीय सेना के साथ मिलकर ऑपरेशन तेज कर दिया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अभियान जारी है।

बर्फबारी के चलते माता वैष्णो देवी की यात्रा स्थगित

जम्मू, 23 जनवरी । जम्मू-कश्मीर में लगातार भारी बारिश और बर्फबारी जारी है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है और एहतियाती कदम उठाए गए हैं। सुरक्षा कारणों से कटरा में माता वैष्णो देवी के मंदिर की तीर्थयात्रा स्थगित कर दी गई है। तीर्थयात्रियों को कटरा में ही रुकने के लिए कहा गया है और अगले आदेश तक किसी भी यात्री को बेस कैंप से मंदिर की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

श्रीनगर हवाई अड्डे से आने-जाने वाली कम से कम 17 उड़ानें रद्द

श्रीनगर, 23 जनवरी । लगातार बर्फबारी और खराब मौसम के कारण श्रीनगर हवाई अड्डे से आने-जाने वाली कम से कम 17 उड़ानें रद्द कर दी गईं हैं। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि बर्फबारी के कारण उड़ानें बाधित होने से और भी उड़ानें रद्द होने की संभावना है। प्रभावित उड़ानों में श्रीनगर को दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और जम्मू से जोड़ने वाली उड़ानें शामिल हैं। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे उड़ान समय सारिणी के बारे में नवीनतम जानकारी के लिए अपनी-अपनी एयरलाइनों के संपर्क में रहें। अधिकारियों ने आगे कहा कि मौसम की स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है और आगे भी उड़ानें बाधित होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। नवयुग सुरंग के आसपास ताजा बर्फबारी के कारण शुक्रवार सुबह जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) पर दोनों दिशाओं में यातायात निलंबित कर दिया गया। कश्मीर घाटी में बुधवार देर रात से ताजा बर्फबारी हुई जिससे सड़क, रेल और हवाई संपर्क बुरी तरह प्रभावित हुआ। एक अधिकारी ने बताया कि बर्फ जमा होने के कारण राजमार्ग पर आवागमन असुरक्षित हो जाने के बाद जम्मू और श्रीनगर के बीच वाहनों की आवाजाही रोक दी गई।

कैसे बचाएं बच्चों को ठंड से

इन दिनों जाड़ा चरम अवस्था पर है और बच्चे अपने रोग-प्रतिरोधक तंत्र के कमजोर होने के कारण इस मौसम में तकलीफें कुछ ज्यादा पाते हैं। नवजात शिशु से लेकर 8 से 10 साल की उम्र तक के बच्चे जाड़े में अधिक प्रभावित होते हैं।

नवजात शिशु और सजगता

सर्दियों के मौसम में शिशु का जन्म एक गर्म स्थान पर होना चाहिए। घर हो या अस्पताल जन्म के पहले ही नवजात के लिए एक गर्म स्थान की व्यवस्था कर लेनी चाहिए। जाड़े के मौसम में अगर बच्चे को गर्म स्थान न मिले, तो उसे सांस लेने तक में समस्या आ सकती है। नवजात को गर्मी देने के लिए रेडिएन्ट हीटर (तार वाला हीटर) या 200 वाट के दो बल्ब प्रयोग में लाये जा सकते हैं। प्रसव के स्थान पर धुएंदार अंगीठी या कंडे का प्रयोग न करें। इससे कार्बन मोनॉक्साइड पैदा होती है, जो सांस के जरिये फेफड़े के लिए अति हानिकारक हैं।

जन्मोपरांत बच्चे को गर्मी देने के लिए इसी प्रकार हीटर या 200 वाट के बल्ब का प्रयोग करें। परन्तु उत्तर प्रदेश में बिजली की आपूर्ति एक समस्या है। ऐसे में बच्चे को गर्मी देने के लिए उसके बिस्तर में, परन्तु उसके शरीर से कुछ दूर, गुनगुने पानी की बोतलें रखी जा सकती हैं। कमरे व बोतलों की गर्मी उचित तापमान में रहनी चाहिए। अगर कमरा 28 डिग्री सेंटीग्रेड पर गर्म है और बच्चे के शरीर का तापमान 98 से 99 डिग्री के बीच है, तो यह उचित होगा।

अन्य रोगों का अंदेशा

जाड़े के मौसम में बच्चों को सर्दी, खांसी और यहां तक कि निमोनिया (न्यूमोनिया) होने का खतरा बढ़ जाता है। निमोनिया का कारण वायरस और बैक्टीरिया का इन्फेक्शन दोनों ही हो सकते हैं। बच्चों को अधिक समय तक बन्द, गर्म और ऐसे कमरों (जिसमें अत्यधिक लोग आते-जाते हैं) में रखने से वाइरस और बैक्टीरिया के संक्रमण की आशंका बढ़ जाती है। इसके बचाव के लिए दिन के समय घरों के दरवाजे खुले रखे जा सकते हैं ताकि ताजी हवा घर के अन्दर आ सके। खुली हवा और धूप दोनों ही घर के अन्दर के संक्रमण को खत्म करने में सहायक होते हैं। थोड़ी-बहुत सर्दी, जुकाम के लिये दवाएं सहायक नहीं होतीं बल्कि ऐसे में बिजली की केतली की सहायता से दिन में तीन चार बार बच्चे को भाप देना उचित होगा। भाप सादे पानी की ही दें। उसमें कोई दवा न डालें। दवाओं से एलर्जी बढ़ने का खतरा होता है।

वाइरल डायरिया

जाड़ों में अक्सर बच्चे वाइरल डायरिया से भी ग्रस्त हो सकते हैं। इस रोग का अन्य कारणों के साथ एक कारण जाड़े में हाथों या बर्तनों का ठीक से न धोना भी हो सकता है। बच्चों के हाथ साबुन से धुलवाएं। इस काम में आलस्य न करें या फिर हैंड सेनीटाइजर का प्रयोग करें। हैंड सेनीटाइजर सूखे हाथों पर ही लगाएं और लगाने के बाद ठीक प्रकार से दोनों हाथों को आपस में रगड़ लें। हैन्ड सेनीटाइजर का प्रयोग जीवाणुओं की रोकथाम का एक प्रभावी उपाय है।

तेल व क्रीम का प्रयोग

जैसे तिल, सरसों या नारियल का या फिर वैसलीन या क्रीम अवश्य लगाएं। शरीर पर तैलीय पदार्थ लगाने से त्वचा भी सुरक्षित रहती है।

इस मौसम में कपड़ों का चयन भी सावधानी से करें। बाजार में बहुत ही आकर्षक और गर्म दिखने वाले कपड़े दिखायी पड़ते हैं, परंतु वे उतने गर्म नहीं होते। जाड़े से बचाव के लिए कपड़े प्योर ऊल के ही लें। बच्चों के सिर का साइज उनके शरीर के अनुपात में बड़ा होता है। इसे ढक कर रखने से भी जाड़े से काफी बचत होती है।

बच्चों को गर्म रखने के लिए कुछ अधिक ऊर्जा की भी आवश्कता होती है। मेवा से स्वास्थ्यकर फूड कैलोरी मिलती है। बड़े बच्चों को मेवा देना बेहतर होगा।

रखें ध्यान, ठंड से न पड़ जाएं बीमार

ठंड का कहर न केवल बुजुर्गो बल्कि युवाओं पर भी भारी पड़ सकता है। ऐसे में यह आवश्यक है कि लोग अपनी सुरक्षा खुद करें और बचाव की राह पर चलें। सभी को शरीर को पूरी तरह ढक कर रखना चाहिए। बुजुर्ग व बच्चे सुबह व शाम के समय घर से बाहर निकलने से बचें और बीमार लोग सुबह के समय रक्तचाप की जांच जरूर कराएं, डॉक्टर के संपर्क में रहें तथा रक्तचाप नियंत्रित करने के लिए दवाएं लेते रहें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- स्कूटर व मोटरसाइकिल से चलने वाले लोग इस बात का ध्यान रखें कि हवा सीधे छाती पर न लगे।
- सूर्योदय के बाद ही सुबह टहलने के लिए निकलें, सुबह की सैर पर जाने से पहले गरम पदार्थ न लें।
- सुबह की सैर हवा के रुख के साथ करें।
- ध्यान रखें कि बच्चों के कपड़े गीले तो नहीं हैं।
- बच्चों के हाथ-पैर आदि धोने के लिए गर्म पानी का प्रयोग करें।
- आइसक्रीम, शीतल पेय व शरबत जैसी ठंडी चीजों का सेवन न करें।
- त्वचा की सफाई के लिए साबुन व शैंपू की जगह बेसन व दही का प्रयोग करें।
- नहाने अथवा हाथ-मुंह धोने के लिए गुनगुने पानी का प्रयोग करें।

कहीं सर्दी में अकड़ न जाए घुटना

सर्दी में लोग चटपटा खाना ज्यादा पसंद करते हैं। लेकिन, कहीं ऐसा न हो कि वसा युक्त अधिक खाना सेहत के लिए भारी पड़ जाए। विशेषकर गठिया के मरीजों के लिए ऐसा भोजन बहुत नुकसानदेह साबित हो सकता है। इससे पहले कि चलना फिरना भी मुश्किल हो जाए, सचेत हो जाएं। क्योंकि सर्दियों में गठिया की परेशानी बढ़ जाती है।

एम्स के रुमेटोलॉजी विभाग की प्रमुख प्रो. उमा कुमार ने बताया कि ठंड के मौसम में ऑस्टियो अर्थाराइटिस की परेशानी ज्यादा होती है। इसका कारण यह है कि इस मौसम में लोग ज्यादा खाना खाते हैं। लेकिन, घी, तेल, व वसा युक्त भोजन का इस्तेमाल अधिक करते हैं। ठंड के कारण लोग व्यायाम नहीं करते। अधिक खाने व व्यायाम नहीं करने से शरीर का वजन बढ़ जाता है। इस कारण गठिया के मरीजों का शरीर अकड़ने लगता है। इसके अलावा इस बीमारी का कारण विटामिन डी की कमी है। सर्दी में धूप कम निकलने से शरीर को पर्याप्त विटामिन डी नहीं मिल पाता। इस वजह से गठिया की परेशानी बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि जिन लोगों में विटामिन डी की कमी हो वे विटामिन डी की दवा ले सकते हैं। डॉ उमा ने बताया कि यह बीमारी घुटने में होती है। इसके कारण घुटना में सूजन व तेज दर्द होता है। गठिया देश में एक सामान्य बीमारी है। देश की करीब 20 फीसद जनसंख्या इस बीमारी से ग्रसित है। करीब 4.60 करोड़ लोगों को घुटने की गठिया है।

जानिए कैसे बनाए मातृत्व का अहसास खूबसूरत

खुबसूरत अहसास है मातृत्व। जैसे ही आपको पता चलता है कि आप मां बनने वाली हैं, उसी समय से गर्भस्थ शिशु के साथ एक रिश्ता बन जाता है। उसका विकास सही ढंग से हो, इसके लिए आप हर एहतियात बरतने की कोशिश करती हैं। इस लिहाज से खानपान पर ध्यान देना सबसे जरूरी हैं, क्योंकि आपके जरिए ही पोषण गर्भस्थ शिशु तक पहुंचता है। अगर आपका खानपान ठीक नहीं है तो यह और भी जरूरी हो जाता है कि आप संतुलित आहार के सेवन की आदत डालें। गर्भावस्था के दौरान आपका शरीर भोजन के जरिए प्राप्त होने वाली ऊर्जा का बेहतर इस्तेमाल सुनिश्चत करता है। इस दौरान आपको अपना खानपान ऐसा रखना चाहिए कि शरीर को कुछ विशेष विटामिन्स और मिनरल्स जैसे फोलिक एसिड और आयरन इत्यादि और कुछ अधिक कैलोरी प्राप्त हो सके। इसके साथ ही कोशिश करनी चाहिए कि जंक फूड से दूर रहें। यदि किसी महिला का खानपान पहले से ही संतुलित पोषण वाला रहा है तो उसके शरीर में इन तत्वों का कुछ भंडार रहता है, जिससे गर्भस्थ शिशु की जरूरत पूरी हो सके। ऐसे में मां की सेहत को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचता।

भोजन की मात्रा :

अक्सर लोग सलाह देते हैं कि गर्भावस्था के दौरान मां को दो लोगों की जरूरत के अनुसार भोजन ग्रहण करना चाहिए, जबकि हकीकत में एक सामान्य महिला को गर्भावस्था के पहले छह माह तक अतिरिक्त कैलोरी की आवश्यकता नहीं होती। इस दौरान भूख के अनुसार भोजन करना ही काफी रहता है।

जरूरत के मुताबिक आहार :

शरीर की बढ़ी हुई जरूरतों के अनुसार आपको संतुलित भोजन करना चाहिए। संतुलित आहार वह है जिसमें विभिन्न प्रकार का पोषण प्रदान करने वाले खाद्य पदार्थ शामिल हों। उदाहरण के तौर पर ऊर्जा देने वाले पोषक तत्व (कार्बोहाइड्रेट्स),शरीर का निर्माण करने वाले तत्व (प्रोटीन) और सुरक्षा प्रदान करने वाले तत्व (मिनरल्स-विटामिन्स) इत्यादि की उचित मात्रा वाला आहार संतुलित आहार कहलाता है। शरीर की अवस्था के अनुसार भोजन में इन पोषक तत्वों को पर्याप्त मात्रा में शामिल करना चाहिए, क्योंकि गर्भावस्था, शरीर की बनावट या शारीरिक मेहनत के अनुसार इस जरूरत का निर्धारण होता है।

ऊर्जा :

आमतौर पर गर्भावस्था के अंतिम महीनों में शरीर को कुछ अधिक मात्रा में कैलोरी की जरूरत होती है (हालांकि यह बढ़ोत्तरी 15 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। आहार विशेषज्ञ भोजन में रोजाना 300 कैलोरी अधिक शामिल करने की सलाह देते हैं। इस जरूरत को आप हाई कैलोरी वाले खाद्य पदार्र्थो जैसे दूध, नट्स, सूखे मेवों, सोया उत्पादों के सेवन के जरिए पूरा कर सकती हैं।

प्रोटीन :

प्रोटीन की अतिरिक्त मात्रा गर्भस्थ शिशु के तेजी से विकास, गर्भनाल, स्तन ग्रंथियों व गर्भाशय के विस्तार, एमनियोटिक फ्लूइड के निर्माण व भंडारण, सहज प्रसव, मां के दूध के निमार्ण के लिए जरूरी है। मां के जरिए गर्भस्थ शिशु तक अमीनो एसिड पहुंचाने के लिए भी यह जरूरी है। गर्भावस्था के दौरान रोजाना आहार में 15 ग्राम प्रोटीन की अतिरिक्त मात्रा शामिल करने की सलाह दी जाती है। दूध, मांस, अंडा और चीज इत्यादि प्रोटीन के अच्छे स्रोत हैं।

आयरन :

गर्भावस्था के दौरान आहार में रोजाना आठ ग्राम आयरन की अतिरिक्त मात्रा यानी 38 ग्राम आयरन प्रतिदिन भोजन में शामिल करने की सलाह दी जाती है। आमतौर पर जन्म के समय शिशु के रक्त में हीमोग्लोबिन का स्तर 18-22 मिली. /डीएल (डेसीलीटर) रहता है। गर्भस्थ शिशु और गर्भनाल के विकास के लिए आयरन बहुत जरूरी है। रक्त में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ाने के लिए भी इसकी समुचित मात्रा प्राप्त होना आवश्यक है। हरी सब्जियां, अंडा, दालों और आयरन युक्त नमक इसका अच्छा स्रोत हैं।

फोलिक एसिड :

एक सामान्य महिला को रोजाना 100 मिलीग्राम फोलिक एसिड की जरूरत होती है, पर विशेषज्ञ गर्भावस्था के दौरान रोजाना 400 मिलीग्राम फोलिक एसिड प्राप्त करने की सलाह देते हैं। इसकी कमी से गर्भावस्था में मैक्रोसाइटिक एनीमिया व गर्भस्थ शिशु के मस्तिष्क व रीढ़ के विकास में दोष उत्पन्न हो सकता है। गहरे हरे रंग की पत्तेदार सब्जियों जैसे पालक व सिट्रस फलों में यह अ%छी मात्रा में पाया जाता है।

कैल्शियम :

गर्भस्थ शिशु की हड्डियों व दांतों के विकास के लिए कैल्शियम की आवश्यकता होती है। गर्भावस्था की अंतिम तिमाही में इसकी करीब 25-30 ग्राम मात्रा गर्भस्थ शिशु तक पहुंचती है। दूध, दही, मट्ठा इत्यादि इसके अच्छे स्रोत हैं। इनमें उच्च मात्रा में कैल्शियम के साथ ही विटामिन बी 12 भी पाया जाता है। अगर आपको दूध और उससे निर्मित उत्पादों से एलर्जी है तो इन तत्वों के सेवन के विषय में अपने चिकित्सक से परामर्श ले सकती हैं।

विटामिन ए :

आमतौर पर एक महिला को 2400 माइक्रोग्राम बी कैरोटिन की आवश्यकता होती है। गर्भावस्था के दौरान भी इसकी इतनी ही मात्रा ग्रहण करने की जरूरत होती है। अंडे की जर्दी, मक्खन, गहरे हरे और पीले रंग की सब्जियां और फल विटामिन ए के अच्छे स्रोत हैं।

विटामिन डी :

मां का शरीर कैल्शियम को भली प्रकार एब्जा ?र्ब्व कर सके, इसके लिए विटामिन डी लेना बेहद जरूरी है। सूरज की किरणों से विटामिन डी मिलता है, जिसकी मदद से शरीर दूध, दालों इत्यादि से मिलने वाले कैल्शियम को भली प्रकार ग्रहण कर पाता है।

सोडियम :

किसी प्रकार के विकारों, डिसऑर्डर और कमी से बचने के लिए एक सामान्य महिला के शरीर में सोडियम की समुचित मात्रा पहुंचनी चाहिए। आहार में इसकी कमी से हार्मोन संबंधी बदलाव उत्पन्न हो सकते हैं। गर्भावस्था के दौरान ऐसी दवाओं से बचना चाहिए, जिनसे बार बार-बार टॉयलेट जाने की आवश्यकता महसूस हो, क्योंकि इससे शरीर से जरूरी सोडियम भी निकल जाता है। अगर हाइपरटेंशन जैसी कोई समस्या है, तब सोडियम की मात्रा सीमित करने की सलाह दी जाती है।

तरल पदार्थ :

शरीर में पानी की कमी न होने दें। भरपूर मात्रा में पानी पीने के साथ ही ताजे फलों का रस ग्रहण करें। जब भी घर से बाहर जाएं तो पीने का पानी साथ ले जाएं, क्योंकि बहुत सी बीमारियां अशुद्ध पानी के कारण होती हैं।

वसा :

इस दौरान अपने कुकिंग ऑयल व वसा पर ध्यान देना भी जरूरी है। घी, मक्खन और नारियल तेल में सैचुरेटेड फैट्स काफी ज्यादा होते हैं, इसलिए इनके सेवन से बचना चाहिए। इनके अलावा वनस्पति घी में ट्रांस फैट्स की मात्रा अधिक होती है और यह भी सैचुरेटेड फैट के जितना ही नुकसानदेह होता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

सड़क दुर्घटना में बलिदान हुए 10 सैनिकों को सेना ने दी श्रद्धांजलि

जम्मू, 23 जनवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में भदरवाह-चंबा अंतरराज्यीय सड़क पर गुरुवार को हुई सड़क दुर्घटना में बलिदान हुए 10 सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। तकनीकी हवाई अड्डे पर व्हाइट नाइट कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल पी.के. मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित समारोह में सेना, भारतीय वायु सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, पुलिस और नागरिक प्रशासन के अधिकारी उपस्थित थे।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की ओर से सैनिकों के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। जम्मू जोन के पुलिस महानिरीक्षक भीम सेन तुती और जम्मू के सीआरपीएफ के महानिरीक्षक आर. गोपाल कृष्ण राव ने भी तिरंगे में लिपटे सैनिकों के ताबूतों पर पुष्पांजलि अर्पित की। अधिकारियों ने बताया कि बलदान हुए जवान बुलन्दशहर-हिन्दम के मोनू, जोबनजीत सिंह (रूपनगर-अम्बाला), मोहित (झज्जर-हिन्दम), शैलेन्द्र सिंह भदोरिया (मोरार-ग्वालियर), समीरन सिंह (झारग्राम-कलाईकोंडा), प्रदुम्न लोहार (पुरुलिया-रांची), सुधीर नरवाल (यमुनागर-अम्बाला), हरे राम कुमार (भोजपुर-बिहटा), अजय लाकड़ा (रांची) और रिंखिल बलियान (हापुड़-हिंदम) के पार्थिव शरीर अंतिम संस्कार के लिए उनके गृह नगर भेजे जा रहे हैं। भदरवाह-चंबा अंतरराज्यीय सड़क पर 9,000 फुट ऊंचे खानी शिखर पर आतंकवाद विरोधी अभियान के लिए सैनिकों को ले जा रहा सेना का बख्तरबंद वाहन गहरी खाई में गिर गया, जिसमें इन 10 सैनिकों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। सेना की जम्मू स्थित व्हाइट नाइट कोर ने इस घटना को फ्दुर्भाग्यपूर्णफ्र बताया और कहा कि खराब मौसम में दुर्गम इलाके से गुजरते समय वाहन सड़क से फिसल गया।

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर कठुआ में देशभक्ति कार्यक्रम आयोजित, राष्ट्रीय एकता की शपथ ली

कठुआ, 23 जनवरी (हि.स.)। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चल रहे अभियान के तहत जिले में फेज 2 के अंतर्गत पांचवें दिन विविध गतिविधियों का आयोजन पूरे उत्साह और देशभक्ति के माहौल में किया गया।

इस अवसर पर उपायुक्त कार्यालय परिसर कठुआ में उपायुक्त राजेश शर्मा ने अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में एडीसी कठुआ सहित जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। राष्ट्रीय गौरव वंदे मातरम् अभियान के तहत सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल दुरंग, सलन, कृषि कार्यालय बिलावर, एसडीएओ कार्यालय बिलावर, नगर समिति हीरानगर सहित विभिन्न स्थानों पर वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया गया।

अधिकारियों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। इसके अलावा सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल दुरंग में भारतीय संविधान पर आधारित शपथ भी दिलाई गई जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रीय एकता, अखंडता और संवैधानिक मूल्यों की भावना को मजबूत करना था। जिले की सभी उप-मंडलों में इसी प्रकार की गतिविधियां आयोजित की गईं जिनमें छात्रों, अधिकारियों और आम नागरिकों की व्यापक भागीदारी देखने को मिली जिससे राष्ट्रभक्ति और एकता की भावना और सशक्त हुई।

भारत वैश्विक एआई नेताओं में शुमार; गौरव गुप्ता

जम्मू, 23 जनवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में भाजपा के प्रवक्ता और अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संयोजक गौरव गुप्ता ने शुक्रवार को केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव जी द्वारा दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) में भारत को फ्द्वितीय श्रेणीफ्र की कृत्रिम बुद्धिमत्ता शक्ति के रूप में ब्रांड करने के प्रयासों का दृढ़, तथ्यात्मक और आधिकारिक खंडन का जोरदार स्वागत किया।

गुप्ता ने कहा कि फ्एआई पावर प्लेफ्र शीर्षक वाली उच्च स्तरीय पैनल चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री के हस्तक्षेप ने त्रुटिपूर्ण और अप्रचलित धारणा को निर्णायक रूप से उजागर किया और विश्व के अग्रणी एआई देशों में भारत के उचित स्थान की पुष्टि की। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के ग्लोबल एआई वाइब्रेंसी इंडेक्स का हवाला देते हुए गुप्ता ने बताया कि एआई की तैयारी और पैठ में भारत वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर है और एआई प्रतिभा में दूसरे स्थान पर है, जो कई विकसित अर्थव्यवस्थाओं से आगे है।

उन्होंने कहा कि 2024 के आंकड़ों पर आधारित स्टैनफोर्ड ग्लोबल एआई इंडेक्स 2025 में संयुक्त राज्य अमेरिका पहले, चीन दूसरे और भारत तीसरे स्थान पर है जो पिछले वर्ष के सातवें स्थान से भारत की एक महत्वपूर्ण छलांग है।

अवैध खनन के खिलाफ कठुआ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 8 वाहन जब्त

कठुआ, 23 जनवरी (हि.स.)। जिले में अवैध खनन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को जारी रखते हुए कठुआ पुलिस ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए कुल 08 वाहन जब्त किए हैं। ये वाहन बिना वैध अनुमति (ए-फॉर्म के बिना) खनिज सामग्री के अवैध खनन और परिवहन में संलिप्त पाए गए।

यह कार्रवाई एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा के समग्र पर्यवेक्षण में की गई। जब्त किए गए वाहनों में 05 ट्रैक्टर-ट्रॉलियां और 03 डंपर शामिल हैं जिन्हें पीपी नगरी (थाना कठुआ), थाना हीरानगर और पीपी रामकोट (थाना बिलावर) क्षेत्र से पकड़ा गया।

पहले मामले में 21 जनवरी 2026 को पीपी नगरी क्षेत्र में गश्त के दौरान पीएसआई रविंदर ठाकुर के नेतृत्व में पुलिस टीम अवैध खनन व निर्माण सामग्री के परिवहन में लगे 03 ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त कीं। दूसरे मामले में 19 जनवरी 2026 को थाना हीरानगर क्षेत्र में गश्त के दौरान एसएचओ थाना हीरानगर इंस्पेक्टर आशीष शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 03 डंपर जब्त किए, जो अवैध रूप से खनन सामग्री का परिवहन कर रहे थे। इसके अतिरिक्त पीपी रामकोट क्षेत्र में पीएसआई रणभेर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने उज्ज नदी क्षेत्र से 02 ट्रैक्टर जब्त किए।

मौसम खराब होने के चलते कठुआ पुलिस ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर

कठुआ, 23 जनवरी (हि.स.)। जिले में खराब मौसम की स्थिति को देखते हुए आम जनता की सुरक्षा और सहायता के लिए कठुआ पुलिस ने विशेष हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। एसएसपी कठुआ के निर्देश पर यह कदम किसी भी मौसम या सड़क से जुड़ी आपात स्थिति में त्वरित सहायता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

कठुआ पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे अनावश्यक यात्रा से बचें, मौसम पूर्वानुमान और सरकारी एडवाइजरी पर नजर रखें तथा किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस से संपर्क करें। लोगों से ट्रैफिक नियमों का पालन करने और राहत एवं बचाव कार्यों में पुलिस का सहयोग करने का भी आग्रह किया गया है। एसएसपी कठुआ ने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा और भलाई पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है और हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। किसी भी प्रकार की मदद के लिए आमजन 24म| पीसीआर कठुआ, डायल 100/112 हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं।

साल की पहली बारिश से बदला मौसम का मिजाज, पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी से बढ़ी ठंड, वातावरण साफ

कठुआ, 23 जनवरी (हि.स.)। साल की पहली बारिश और बर्फबारी से जिले के मौसम ने एक बार फिर करवट ले ली है। 22 जनवरी की रात से शुरू हुई बारिश 23 जनवरी की शाम तक रुक-रुक कर जारी रही, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई और ठंड का असर फिर से बढ़ गया। जिला कठुआ के मैदानी इलाकों में पिछले 24 घंटे से लगातार बारिश होती रही, जबकि पहाड़ी तहसील बनी और आसपास के क्षेत्रों में साल की पहली बर्फबारी हुई। बर्फबारी के चलते पहाड़ियां सफेद चादर से ढक गईं, जिससे नजारा बेहद मनमोहक हो गया और बड़ी संख्या में सैलानी इन इलाकों की ओर आकर्षित हुए। मौसम में आए इस बदलाव से जनजीवन प्रभावित रहा। दिनभर की बारिश के कारण राष्ट्रीय राजमार्गों पर वाहनों की रफ्तार धीमी रही, वहीं कठुआ शहर के बाजारों में भी सन्नाटा पसरा रहा। पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी के चलते कई संपर्क मार्ग बंद हो गए हैं। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार आने वाले सप्ताह में भी बारिश के आसार बने हुए हैं। हालांकि लोहड़ी के बाद आमतौर पर ठंड कम होने लगती है, लेकिन इस बार बारिश ने सर्दी का असर फिर से बढ़ा दिया है। बीते दिनों जहां लोग दोपहर में गर्म कपड़े उतार रहे थे, वहीं अब एक बार फिर स्वेटर और जैकेट पहनने को मजबूर हो गए हैं। बारिश किसानों के लिए राहत बनकर आई है। पूरी सर्दी बारिश न होने के कारण फसलों के खराब होने का खतरा बना हुआ था, लेकिन पिछले 24 घंटे की बारिश से किसानों के चेहरों पर खुशी लौट आई है।

एकजुट और सशक्त जम्मू-कश्मीर — एक मजबूत भविष्य के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता : पवन शर्मा

जम्मू, 23 जनवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर महज एक भौगोलिक इकाई नहीं है, यह एक साझा राष्ट्रीय जिम्मेदारी और 13 लाख से अधिक नागरिकों का सामूहिक विश्वास है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एक एकजुट, शांतिपूर्ण और सशक्त जम्मू-कश्मीर के निर्माण के लिए दृढ़ संकल्पित है जो दशकों से इस क्षेत्र पर हावी विभाजनकारी राजनीति, वंशवादी विशेषाधिकार और भयभंग से मुक्त हो।

इन विचारों को व्यक्त करते हुए भाजपा जम्मू-कश्मीर के राज्य सचिव पवन शर्मा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लिए भाजपा का दृष्टिकोण राष्ट्रीय एकता, संवैधानिक समानता, पारदर्शी शासन और जमीनी स्तर पर सशक्तिकरण पर आधारित है जबकि एनसी-पीडीपी की राजनीति भावनात्मक शोषण, क्षेत्रीय असंतुलन और जानबूझकर किए गए अविकास पर पनपी थी।

पवन शर्मा ने कहा, फ्दशकों तक जम्मू-कश्मीर संसाधनों की कमी के कारण नहीं बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के कारण पीड़ित रहा। एनसी और पीडीपी ने सत्ता को व्यक्तिगत विरासत माना, न कि जन जिम्मेदारी। उनकी राजनीति परिवारों के इर्द-गिर्द घूमती थी भविष्य के इर्द-गिर्द नहीं; नारों के इर्द-गिर्द, समाधानों के इर्द-गिर्द नहीं।

उन्होंने जोर देकर कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर में तुष्टीकरण-आधारित शासन से निर्णायक मुक्ति मिली है। अनुच्छेद 370 और 35ए को निरस्त करने से उस व्यवस्था का अंत हुआ जो कुछ चुनिंदा लोगों को लाभ पहुंचाती थी जबकि आम नागरिकों—महिलाओं, दलितों, शरणार्थियों और हाशिए पर पड़े समुदायों—को बुनियादी संवैधानिक अधिकारों से वंचित रखती थी।

वही पार्टियां जो आज लोकतंत्र की बात करती हैं कभी अपने ही लोगों के अधिकारों को नकार कर फलती-फूलती थीं।

बसंतगढ़ क्षेत्र की ऊपरी पहाड़ियों में भारी हिमपात के कारण फंसे 12 लोगों को सफलतापूर्वक बचाया

उधमपुर, 23 जनवरी (हि.स.)। उधमपुर पुलिस ने समय रहते बचाव अभियान चलाया और बसंतगढ़ क्षेत्र के चोचरू गल्ला में भारी हिमपात में फंसे 12 लोगों (महिलाओं और बच्चों सहित) को बचाया।

फंसे हुए लोगों के बारे में सूचना पुलिस चौकी सांग को मिली जिसके बाद पुलिस चौकी सांग के प्रभारी हेड कांस्टेबल मुश्ताक अहमद के नेतृत्व में डीएसपी पीसी बसंतगढ़ चरणजीत सिंह और एसएचओ पीएस बसंतगढ़ पीएसआई रोहिन चालोत्रा ??के मार्गदर्शन में एक पुलिस टीम को तुरंत रवाना किया गया।

टीम बर्फ से ढके और घने कोहरे वाले इलाके में कई किलोमीटर पैदल चलकर घटनास्थल पर पहुंची। सभी 12 फंसे हुए लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया और पुलिस चौकी सांग लाया गया जहां उन्हें भोजन, आश्रय और आवश्यक चिकित्सा सहायता प्रदान की गई।

श्रीनगर के होटल के कमरे में महिला मृत पाई गई

श्रीनगर, 23 जनवरी (हि.स.)। श्रीनगर के राजबाग इलाके के एक होटल में गुजरात की 53 वर्षीय महिला मृत पाई गई। वह होटल के कमरे में बेहोश पाई गई और उसे तुरंत खैबर अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे पहुंचते ही मृत घोषित कर दिया। उसकी पहचान गुजरात के बरूत शैलेश की पत्नी ज्योति के रूप में हुई है। उसकी मृत्यु का सटीक कारण अभी तक ज्ञात नहीं हो सका है और आगे की जांच जारी है।

गणतंत्र दिवस 2026 से पहले एसएसपी जम्मू ने सुरक्षा समीक्षा अध्यक्षता की बैठक की

जम्मू, 23 जनवरी (हि.स.)। जम्मू के एसएसपी जोगिंदर सिंह जम्मू-कश्मीर पुलिस स्टेशन ने आगामी गणतंत्र दिवस समारोह के मद्देनजर जिला पुलिस लाइन्स जम्मू में एक सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में जोनल एसपी एसपी ऑपरेशंस एसडीपीओ डीएसपी डीएआर डीएसपी डीएसबी नामित जोनल और सेक्टर अधिकारियों ने भाग लिया और आगामी स्वतंत्रता दिवस के शांतिपूर्ण और सुचारू संचालन के लिए समन्वित प्रयासों की पुष्टि की। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी राष्ट्रीय आयोजन के लिए सुरक्षा तैयारियों का आकलन और सुदृढ़ीकरण करना था। सत्र के दौरान एसएसपी जम्मू ने 2025 में कई कार्यक्रमों के सुचारू और शांतिपूर्ण संचालन के लिए अधिकारियों जवानों की सराहना की और वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य पर विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए सभी उत्तरदायित्व क्षेत्रों में कड़ी निगरानी और सतर्कता की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को धार्मिक स्थलों महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों चिन्हित संवेदनशील क्षेत्रों गणतंत्र दिवस समारोह के लिए निर्धारित स्थलों पर विशेष ध्यान देते हुए निगरानी तेज करने पैदल गश्त बढ़ाने और लंबी दूरी और छोटी दूरी की गश्त तैनात करने रणनीतिक स्थानों पर अचानक आश्चर्यजनक नाके लगाने और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों से किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने के लिए प्रभावी क्षेत्र नियंत्रण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

UNION TERRITORY OF JAMMU & KASHMIR
OFFICE THE EXECUTIVE ENGINEER PWD (R&B) DIVISION BASOHLI
NOTICE INVITING TENDER
e-NIT No.58 of 2025-26Dated 21-01-2026

For and on behalf of the Lieutenant Governor, Union Territory of Jammu and Kashmir e-tenders are invited on percentage basis from approved and eligible Contractors registered with Union Territory of J&K, CPWD, Railways, MES and other State/Central Governments for the below noted work:-

S. No	Name of Work	Name of Division	Advertised Cost (Rs. in lacs)	Cost of Tender document (inRs.)	Earnest Money in shape of CDR/FDR /BG	Time Allowed for complete-on	Time and date of opening of tender	Class of Contr.
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	Construction of Boundary wall at Govt. High School Kotri Sandroon Under Samagra Shiksha (PAB 2025-26)	PWD (R&B) Division Basohli	9.50	600/-	2% of Adv. Cost	04 Months	13/02/2026 (1200 Hrs. Noon)	'C' &'D'
2	Construction of Boundary wall at Govt. Higher Secondary School Bani Under Samagra Shiksha (PAB 2025-26)	PWD (R&B) Division Basohli	9.50	600/-	2% of Adv. Cost	04 Months	13/02/2026 (1200 Hrs. Noon)	'C' & 'D'
3	Construction of Boundary wall at Govt. Higher Secondary School Roulka Under Samagra Shiksha (PAB 2025-26)	PWD (R&B) Division Basohli	9.50	600/-	2% of Adv. Cost	04 Months	13/02/2026 (1200 Hrs. Noon)	'C' & 'D'
4	Construction of Boundary wall at Govt. Higher Secondary School Tapper Under Samagra Shiksha (PAB 2025-26)	PWD (R&B) Division Basohli	9.50	600/-	2% of Adv. Cost	04 Months	13/02/2026 (1200 Hrs. Noon)	'C' & 'D'
5	Construction of Boundary wall at Govt. Middle School Doulka Under Samagra Shiksha (PAB 2025-26)	PWD (R&B) Division Basohli	7.60	600/-	2% of Adv. Cost	03 Months	13/02/2026 (1200 Hrs. Noon)	'C' & 'D'
6	Construction of Boundary wall at Govt. Middle School Dramman Under Samagra Shiksha (PAB 2025-26)	PWD (R&B) Division Basohli	7.60	600/-	2% of Adv. Cost	03 Months	13/02/2026 (1200 Hrs. Noon)	'C' & 'D'
7	Construction of Boundary wall at Higher Secondary School Sananghat Under Samagra Shiksha (PAB 2025-26)	PWD (R&B) Division Basohli	9.50	600/-	2% of Adv. Cost	03 Months	13/02/2026 (1200 Hrs. Noon)	'C' & 'D'
8	Construction of Boundary wall at Primary School Hadat Under Samagra Shiksha (PAB 2025-26)	PWD (R&B) Division Basohli	7.60	600/-	2% of Adv. Cost	03 Months	13/02/2026 (1200 Hrs. Noon)	'C' & 'D'
9	Construction of Boundary wall at Primary School Kakdera Under Samagra Shiksha (PAB 2025-26)	PWD (R&B) Division Basohli	7.60	600/-	2% of Adv. Cost	03 Months	13/02/2026(1200 Hrs. Noon)	'C' &'D'
10	Construction of Boundary wall at	PWD (R&B)	7.60	600/-	2% of Adv. Cost	03 Months	13/02/2026 (1200 Hrs.	'C' & 'D'

Dated:-21-01-2026
No.1255-1272

DIP/J-10573/25
Dtd:23-1-2026

Sd/-
Executive Engineer
PWD (R&B) Division
Basohli

Note:- The tender documents can be seen and download from the website www.jktenders.gov.in

पीएम स्वानिधि क्रेडिट कार्ड योजना का शुभारंभ, कठुआ में 27 लाभार्थियों को मिले ऋण चेक

कठुआ, 23 जनवरी (हि.स.)। प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि योजना के तहत देशभर में क्रेडिट कार्ड सुविधा और एक लाख लाभार्थियों को ऋण वितरण कार्यक्रम का सीधा प्रसारण शुक्रवार को कठुआ के उपायुक्त कार्यालय परिसर के सम्मेलन कक्ष में देखा गया।

सीधे प्रसारण के दौरान उपस्थित जनसमूह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन ध्यानपूर्वक सुना जिसमें उन्होंने पीएम स्वानिधि योजना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह योजना रेहड़ी-पटरी वालों को संस्थागत ऋण से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। औपचारिक कार्यक्रम के उपरांत उपायुक्त कठुआ ने अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जिले के 27 लाभार्थियों को पीएम स्वानिधि योजना के तहत ऋण चेक वितरित किए। ऋण प्राप्त करने वाले लाभार्थियों ने सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आर्थिक सहायता उनके व्यवसाय को मजबूत करने और आत्मनिर्भर बनने में सहायक सिद्ध होगी।

इस अवसर पर उपायुक्त राजेश शर्मा ने कहा कि पीएम स्वानिधि योजना स्ट्रीट वेंडर्स के जीवन स्तर को सुधारने और उन्हें औपचारिक वित्तीय व्यवस्था से जोड़ने की एक ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने लाभार्थियों से ऋण राशि का सदुपयोग कर अपने व्यवसाय को विस्तार देने और आय बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा ने की। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त सुरिंदर मोहन शर्मा, सहायक आयुक्त विकास विशवजीत सिंह, मुख्य कार्यकारी अधिकारी नगर परिषद कठुआ अमित शर्मा, लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर अमन जसरोटिया, कार्यकारी अधिकारी नगर समिति नगरी पृथ्वी राज संगरा, नगर समिति बिलावर के कार्यकारी अधिकारी वरिंदर पाल सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और योजना के लाभार्थी उपस्थित रहे।

संपादकीय

शक्तिहीनता और अधिकार की कमी

यह दिलचस्प है कि जम्मू-कश्मीर में सरकार चलाने के लिए जनता से पूर्ण जनादेश मिलने के बाद, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला अब विधानसभा चुनावों के दौरान किए गए वादों के अनुसार काम न कर पाने का बहाना दे रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर की स्थिति वैसी ही है जैसी चुनावों से पहले थी, लेकिन उस समय, नेशनल कॉन्फ्रेंस नेतृत्व खासकर सीएम उमर अब्दुल्ला द्वारा दिखाया गया साहसिक चेहरा अब धीरे-धीरे फीका पड़ रहा है, क्योंकि हर छोटे-छोटे कदम पर, सत्ता के शीर्ष पर बैठे व्यक्ति जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा दिए जाने के कारण शक्तिहीनता और अधिकार की कमी की शिकायत कर रहे हैं।

लोगों की उम्मीदों के विपरीत उमर अब्दुल्ला मुख्यमंत्री के रूप में काम करते हुए पूर्ण शक्ति चाहते हैं, जो कि जम्मू-कश्मीर की मौजूदा परिस्थितियों के हिसाब से असंभव है, क्योंकि हर बार प्रधानमंत्री या गृह मंत्री ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस देने का आश्वासन दिया है, साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि यह बदलाव उचित समय पर होगा, जब क्षेत्र में माहौल अनुकूल हो जाएगा और फिलहाल जम्मू-कश्मीर की स्थिति से अच्छी तरह वाकिफ कोई भी व्यक्ति यह बता सकता है कि शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है, क्योंकि आतंकवाद के अवशेष अभी भी लोगों को परेशान कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के लिए यह उचित है कि वे शिकायत करने के मूड से बाहर आएं और लोगों के लिए काम करना शुरू करें, क्योंकि लोगों ने उन्हें जो अवसर दिया है, वह अभूतपूर्व है और लोगों को उनसे काफी उम्मीदें हैं।

यह जरूरी है कि वे राज्य का दर्जा न होने या सीमित शक्तियों का बहाना देकर लोगों को निराश न करें, बल्कि उन्हें अपनी मौजूदा शक्तियों का इस्तेमाल उन लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए करना चाहिए, जिन्होंने उन्हें सरकार चलाने के लिए बहुमत दिया है।

राज्य का दर्जा और पूर्ण शक्तियों की मांग में समय बर्बाद करने से कोई फायदा नहीं होगा; बल्कि इससे वर्तमान सरकार की कार्यकुशलता प्रभावित होगी, क्योंकि जहां तक राज्य का दर्जा बहाल करने का सवाल है, तो अभी तक चीजें स्पष्ट नहीं हैं, क्योंकि इसका वादा करने वालों ने कभी समयसीमा नहीं बताई।

बेटियों के सम्मान से ही संभव है राष्ट्र का उत्थान

योगेश कुमार गोयल

हर साल 24 जनवरी को 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' मनाया जाता है, जो केवल एक दिवस मात्र नहीं है बल्कि भारतीय समाज के आत्ममंथन और उत्तरदायित्व बोध का दिवस है। यह वह अवसर है, जब हम यह सोचने को विवश होते हैं कि क्या हमारी बेटियां वास्तव में सुरक्षित हैं, क्या उन्हें समान अवसर मिल रहे हैं और क्या समाज ने उन्हें बोझ नहीं बल्कि संभावना के रूप में स्वीकार किया है? बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने, उनके साथ होने वाले भेदभाव और हिंसा के विरुद्ध सामूहिक चेतना विकसित करने तथा उनके सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण को राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र बनाने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है।

जब तक देश की बालिकाएं सशक्त नहीं होंगी, तब तक न तो समाज संतुलित हो सकता है और न ही राष्ट्र प्रगति के शिखर को छू सकता है।

एक समय था, जब भारतीय समाज में बेटी का जन्म चिंता का विषय माना जाता था।

पुत्र मोह, सामाजिक कुरीतियां, दहेज जैसी अमानवीय परंपराएं और आर्थिक असुरक्षा की मानसिकता ने बेटियों को कोख में ही मार देने जैसी जघन्य प्रवृत्तियों को जन्म दिया। कन्या भ्रूण हत्या और बाल विवाह लंबे समय तक सामाजिक स्वीकृति के साथ फलते-फूलते रहे, जिसके दुष्परिणाम स्वरूप देश का लिंगानुपात बुरी तरह बिगड़ गया। हालांकि आजादी के बाद से ही सामाजिक चेतना, कानूनों और सरकारी हस्तक्षेपों के माध्यम से इस सोच को बदलने के प्रयास हुए लेकिन यह सच है कि मानसिकता में बदलाव सबसे कठिन प्रक्रिया होती है।

राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने का निर्णय वर्ष 2008 में भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा लिया गया था और पहली बार 24 जनवरी 2009 को यह दिवस मनाया गया था।

यह दिवस मनाए जाने की शुरुआत करने का उद्देश्य केवल उत्सव मनाना नहीं बल्कि बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा और अधिकारों को सुनिश्चित करने की दिशा में ठोस सामाजिक संकल्प को मजबूती देना था। यूनिसेफ स्पष्ट रूप से कहता है कि प्रत्येक बालिका को सुरक्षित, स्वस्थ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से युक्त बचपन का अधिकार है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के अनुसार किसी भी देश की जनसांख्यिकीय और आर्थिक स्थिरता का सीधा संबंध वहां की महिलाओं और बालिकाओं की स्थिति से जुड़ा होता है।

भारत में बीते दो दशकों में बालिकाओं की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान, समग्र शिक्षा अभियान, किशोरी शक्ति योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार, उच्च शिक्षा में आरक्षण और सैन्य सेवाओं में महिलाओं की भागीदारी जैसे कदमों ने बालिकाओं के लिए नए द्वार खोले हैं।

आज बालिकाएं शिक्षा, विज्ञान, खेल, प्रशासन, राजनीति, रक्षा, अंतरिक्ष और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में न केवल भागीदारी निभा रही हैं बल्कि नेतृत्वकारी भूमिका में भी दिखाई दे रही हैं। यह परिवर्तन बताता है कि अवसर मिलने पर बालिकाएं किसी से कम नहीं हैं। लेकिन इस सकारात्मक तस्वीर के समानांतर एक भयावह यथार्थ भी मौजूद है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो और संयुक्त राष्ट्र की हालिया रिपोर्टें बताती हैं कि बालिकाओं और महिलाओं के खिलाफ अपराधों में कमी आने के बजाय कई क्षेत्रों में वृद्धि दर्ज की जा रही है। देश में यौन शोषण, घरेलू हिंसा, बाल तस्करी, ऑनलाइन उत्पीड़न और साइबर अपराधों के मामले तेजी से बढ़े हैं। यह तथ्य अत्यंत चिंताजनक है कि अधिकांश अपराध घर या परिचित परिवेश में ही होते हैं, जहां बालिकाएं स्वयं को सबसे अधिक सुरक्षित समझती हैं।

संयुक्त राष्ट्र कार्यालय की वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में विश्वभर में 85 हजार महिलाओं और लड़कियों की हत्या हुई, जिनमें से 60 फीसदी यानी करीब 51 हजार हत्याएं महिलाओं और लड़कियों के परिवार के सदस्यों, करीबी रिश्तेदारों या उनके पार्टनर ने की। औसतन प्रतिदिन लगभग 140 महिलाएं और बालिकाएं अपने घरों में हिंसा का शिकार होकर जीवन गंवा रही हैं। अमेरिका जैसे विकसित देश में भी महिलाओं और लड़कियों की हत्या के हजारों मामले सामने आना यह दर्शाता है कि लैंगिक हिंसा केवल विकासशील देशों की समस्या नहीं, बल्कि एक वैश्विक मानवीय संकट है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो और संयुक्त राष्ट्र की हालिया रिपोर्टें बताती हैं कि बालिकाओं और महिलाओं के खिलाफ अपराधों में कमी आने के बजाय कई क्षेत्रों में वृद्धि दर्ज की जा रही है। देश में यौन शोषण, घरेलू हिंसा, बाल तस्करी, ऑनलाइन उत्पीड़न और साइबर अपराधों के मामले तेजी से बढ़े हैं। यह तथ्य अत्यंत चिंताजनक है कि अधिकांश अपराध घर या परिचित परिवेश में ही होते हैं, जहां बालिकाएं स्वयं को सबसे अधिक सुरक्षित समझती हैं। संयुक्त राष्ट्र कार्यालय की वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में विश्वभर में 85 हजार महिलाओं और लड़कियों की हत्या हुई, जिनमें से 60 फीसदी यानी करीब 51 हजार हत्याएं महिलाओं और लड़कियों के परिवार के सदस्यों, करीबी रिश्तेदारों या उनके पार्टनर ने की।

भारत में स्थिति इसलिए और गंभीर हो जाती है क्योंकि यहां अपराध के साथ-साथ सामाजिक चुप्पी और पीड़िता को दोष देने की मानसिकता भी जुड़ी हुई है।

कई मामलों में न्याय प्रक्रिया की धीमी गति, सामाजिक दबाव और भय के कारण अपराध दर्ज ही नहीं हो पाते। बालिकाओं के साथ होने वाले अपराधों में वृद्धि इस बात का संकेत है कि कानून तो बने हैं लेकिन उनके प्रभावी क्रियान्वयन और सामाजिक चेतना में अभी भी गंभीर कमी है। यह भी सच है कि बालिकाओं को आज भी समानता साबित करने के लिए बालकों की तुलना में कहीं अधिक संघर्ष करना पड़ता है। शिक्षा से लेकर कैरियर, स्वतंत्रता से लेकर सुरक्षा तक, हर स्तर पर उन्हें अतिरिक्त चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

लैंगिक भेदभाव केवल किसी एक चरण तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह बालिका के जन्म से लेकर जीवन के हर पड़ाव पर उसका पीछा करता है। यही कारण है कि बालिका दिवस जैसे आयोजनों की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है।

कुल मिलाकर, राष्ट्रीय बालिका दिवस हमें यह स्मरण दिलाता है कि सशक्तिकरण केवल योजनाओं और नारों से संभव नहीं है, इसके लिए परिवार, समाज, शिक्षा व्यवस्था, मीडिया और शासन, सभी को मिलकर अपनी भूमिका निभानी होगी।

बालिकाओं को भयमुक्त वातावरण देना, उनकी बात सुनना, उनकी पसंद का सम्मान करना और उन्हें निर्णय लेने की स्वतंत्रता देना ही वास्तविक सशक्तिकरण है। जब समाज यह स्वीकार करेगा कि बेटियां बोझ नहीं बल्कि भविष्य की आधारशिला हैं, तभी वास्तविक परिवर्तन संभव होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम बालिकाओं को दया या सहानुभूति की दृष्टि से नहीं, अधिकार और समानता की दृष्टि से देखें। यही बालिकाएं देश की वर्तमान ऊर्जा हैं और भविष्य की दिशा भी। यदि उन्हें सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर मिले तो वे न केवल अपने परिवारों बल्कि पूरे राष्ट्र को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती हैं। राष्ट्रीय बालिका दिवस की सार्थकता इसी में है कि यह दिन हमें आत्मविश्लेषण के साथ-साथ ठोस सामाजिक परिवर्तन की प्रेरणा दे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

नई नौकरियां, मजबूत अर्थव्यवस्था- 2026 में भारत में पीएमआई 59.5

- रवि रंजन सिंह

भारत की अर्थव्यवस्था ने हाल के वर्षों में अभूतपूर्व गति पकड़ी है। जनवरी 2026 के एचएसबीसी फ्लैश पीएमआई डेटा (परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स) ने इसकी पुष्टि की है, जहां मैन्युफैक्चरिंग और सर्विसेज सेक्टरों में तेजी दर्ज की गई। यह न केवल आर्थिक विकास की मजबूती को दर्शाता है, बल्कि रोजगार सृजन के व्यापक अवसरों की नींव भी रखता है। ये आंकड़े बताते हैं कि भारत वैश्विक आर्थिक मंदी के बीच भी लचीलापन दिखा रहा है। सरकारी नीतियां जैसे मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत ने उत्पादन और सेवा क्षेत्रों को गति दी है, जिसका असर रोजगार पर स्पष्ट दिख रहा है।

पीएमआई डेटा और आर्थिक गतिविधियों में उछाल

एचएसबीसी फ्लैश इंडिया कंपोजिट पीएमआई इंडेक्स जनवरी में 59.5 पर पहुंच गया, जो दिसंबर के 57.8 से काफी ऊपर है। एसएंडपी ग्लोबल द्वारा संकलित यह डेटा मैन्युफैक्चरिंग और सर्विसेज दोनों क्षेत्रों में सुधार को रेखांकित करता है। एचएसबीसी की चीफ इंडिया इकोनॉमिस्ट प्रांजुल भंडारी के अनुसार, वृद्धि की गति दोनों क्षेत्रों में तेज हुई, हालांकि मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 2025 के औसत से नीचे रहा। दिसंबर में थोड़ी गिरावट के बाद नए ऑर्डर्स में तेज उछाल आया, जो मांग में सुधार का संकेत है।

देश में आज इनपुट लागतों में बढ़ोतरी के बावजूद महंगाई मध्यम स्तर पर दिखती है। मैन्युफैक्चरर्स पर इसका दबाव अधिक था, लेकिन सेवा प्रदाताओं ने बेहतर तरीके से प्रबंधन किया। निजी क्षेत्र की गतिविधियों में तेजी का मुख्य कारण नए व्यवसायों की बढ़ोतरी थी। सर्वे में शामिल लोगों ने बढ़ती मांग और आक्रामक विपणन को जिम्मेदार ठहराया। मैन्युफैक्चरिंग ने सर्विसेज से अधिक तेजी दिखाई, जो निर्यात-केंद्रित नीतियों का परिणाम है।

इसके साथ ही हमारे लिए खुशी की बात यह भी है कि अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर्स में पिछले चार महीनों की सबसे मजबूत वृद्धि दर्ज हुई है, जिसमें एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, लैटिन अमेरिका और मध्य पूर्व प्रमुख बाजार बने। यह भारत की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में मजबूत स्थिति को प्रमाणित करता है। दिसंबर में स्थिर रहने के बाद जनवरी में निजी क्षेत्र में भर्तियां फिर शुरू हुईं। कंपनियां व्यावसायिक गतिविधियों के 12 महीने के दृष्टिकोण पर आशावादी हैं। ये संकेत आर्थिक विकास को रोजगार से जोड़ते हैं, जहां जीडीपी वृद्धि दर सात प्रतिशत से ऊपर बनी रहने की उम्मीद पैदा करते है।

अवसरों में 2026 में नई भूमिकाओं का विस्तार

इसके साथ ही नौकरीडॉटकॉम के द्विवार्षिक सर्वेक्षण से और सकारात्मक खबरें आई हैं। 1,250 से अधिक रोजगार प्रदाताओं के इनपुट के आधार पर कहें तो आंकड़े बता रहे हैं कि 76 प्रतिशत नियोक्ता 2026 की पहली छमाही में नई नौकरियां पैदा करेंगे। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र 88 प्रतिशत नई भूमिकाओं के साथ अग्रणी है, जो उम्रदराज आबादी और स्वास्थ्य बीमा योजनाओं जैसे आयुष्मान भारत का परिणाम है। मैन्युफैक्चरिंग में 79 प्रतिशत, बीएफएसआई में 70 प्रतिशत और आईटी में 76 प्रतिशत नई नौकरियां होंगी। निश?चित ही यह आंकड़ा भारत की युवा आबादी (65 प्रतिशत से अधिक 35 वर्ष से कम आयु) के लिए वरदान है।

एक तरह से देखें तो आर्थिक सुधार रोजगार-सघन विकास की ओर बढ़ रहे हैं। प्लेटफॉर्म अर्थव्यवस्था और डिजिटल इंडिया ने सेवा क्षेत्र को मजबूत किया है, जबकि पीएलआई योजना (उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना)ने मैन्युफैक्चरिंग को प्रोत्साहित किया है। एक तथ्य यह भी सामने आया है कि 87 प्रतिशत नियोक्ताओं ने माना है कि एआई से नौकरियों पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा। इसके विपरीत, 18 प्रतिशत का कहना है कि एआई नई भूमिकाएं सृजित कर रहा है, खासकर आईटी, एनालिटिक्स और मार्केटिंग में। ये निरंतर कौशल विकास की आवश्यकता पर जोर देता है।

उदाहरणस्वरूप, चैटजीपीटी जैसे टूल्स ने कोडिंग और डेटा एनालिसिस में मांग बढ़ाई है। भर्ती में मध्य स्तर 4-7 वर्ष अनुभव के पेशेवरों की मांग बढ़ेगी, जहां आईटी के 69 प्रतिशत प्रदाता इन्हें प्राथमिकता देंगे। स्वास्थ्य सेवा में 65 प्रतिशत नियोक्ता शुरुआती स्तर 0-3 वर्ष को लक्षित करेंगे, जो नए स्नातकों के लिए राहत है। मैन्युफैक्चरिंग और आईटी मध्य स्तर में अग्रणी होंगे।

आज देश में स्वास्थ्य सेवा में 88 प्रतिशत नई नौकरियां पैदा हुई हैं। महामारी के बाद निवेश बढ़ा है। टेलीमेडिसिन और डायग्नोस्टिक्स में विस्तार लगातार इस सेक टर में होता हुआ दिख रहा है। मैन्युफैक्चरिंग में 79 प्रतिशत का उछाल है- इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल और टेक्सटाइल में निर्यात बढ़ा। पीएमआई में अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर्स की मजबूती इसका प्रमाण है। आईटी और बीएफएसआई में भी पिछली तुलना में 76-70 प्रतिशत बढ़ोत्तरी देखी जा रही है। डिजिटल बैंकिंग और क्लाउड कंप्यूटिंग ड्राइवर में भारी उत्साह नजर आ रहा है। इसके साथ ही अन्य में विशेष तौर पर रिन्यूएबल एनर्जी और ई-कॉमर्स में अप्रत्यक्ष वृद्धि दिखती है। देश में निश्चित ही ये आंकड़े बताते हैं कि विविधीकरण हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में मैन्युफैक्चरिंग इकाइयां रोजगार फैला रही हैं, जो असमानता कम करेंगी। इस तरह यदि देखे तो भारत आर्थकि क्षेत्र में वैश्विक रूप से नेतृत्व करने को आज तैयार दिखता है।

(लेखक आर्थिक मामलों के विश्लेषक हैं)

सर्वाइकल कैंसर जागरूगता माह: जानलेवा बीमारी पर पूर्ण विराम की तैयारी

-विश्वजीत भट्ट

नये भारतीय टीके का गंभीरता से इस्तेमाल हो और डब्ल्यूएचओ के निर्देशों के अनुपालन में केंद्र के साथ-साथ राज्य सरकारें भी कारगर कदम उठाएं तो बच्चेदानी के मुंह के कैंसर पर पूर्ण विराम लग जाएगा। इस जानलेवा बीमारी का खात्मा हो सकता है। कैंसर रोग विशेषज्ञों का कहना है कि यदि सरकार आयुष्मान भारत योजना से जोड़कर टीकाकरण अभियान चलाए और राज्य सरकारें इसी योजना के तहत केंद्र सरकार से मिले फंड का इस्तेमाल करके ग्रामीण और शहरी दोनों इलाकों में नौ से 14 साल की बच्चियों और किशोरियों का टीकाकरण कराएं तो यह क्रांतिकारी कदम होगा। इस टीके की दो खुराक एक आज और दूसरा छह महीने बाद देनी होती है। यदि किसी कारण से 14 साल की उम्र तक की किशोरियों को टीका नहीं दिया जा सका तो 15 साल की उम्र से शुरू करके 26 साल की उम्र तक तीन खुराक एक आज, दूसरा एक या दो महीने बाद और तीसरा छह महीने बाद देना है। क्या है डब्ल्यूएचओ का निर्देश जनवरी सर्वाइकल कैंसर जागरूगता माह है। डब्ल्यूएचओ ने लक्ष्य निर्धारित किया है कि वर्ष 2030 तक सर्वाइकल कैंसर को पूरी तरह से समाप्त कर देना है। इसके लिए भारत की 90 प्रतिशत बच्चियों और किशोरियों को हर हाल में टीका लगाना है। 70 प्रतिशत ऐसी महिलाएं जो 30 साल से अधिक उम्र की हैं, उनकी स्क्रीनिंग करवानी है। पहली स्क्रीनिंग 35 साल की उम्र में और दूसरी 45 साल की उम्र में। ताकि शुरुआती अवस्था में ही प्री कैंसरस का पता लगाकर इलाज किया जा सके। 90 प्रतिशत ऐसी महिलाएं जिन्हें बच्चेदानी के मुंह का कैंसर हो गया है उन्हें हर हाल में इलाज मिले सरकार को यह सुनिश्चित करना है, ऐसा डब्ल्यूएचओं का निर्देश है। केंद्र सरकार ने पायलट प्रोजेक्ट तहत की शुरुआत सर्वाइकल कैंसर पर पूर्ण विराम लगाने के लिए केंद्र सरकार ने पायलट प्राजेक्ट के रूप में देश के छह राज्यों में स्कूल जाने वाली नौ साल की छात्राओं का टीकाकरण कराया है। इसके साथ ही देश के 100 जिलों में 30 साल से अधिक की उम्र की महिलाओं की स्क्रीनिंग कराई गई है।

ताकि 30 से अधिक की उम्र की महिला का यदि बच्चेदानी के मुंह का कैंसर हो गया है तो शुरुआती दौर में सटीक इलाज से महिला का स्वस्थ किया जा सके। ये है रामबाण भारतीय टीका सर्वाइकल कैंसर पर पूर्ण विराम लगाने के लिए सीरम इंटीट्यूट ने भारतीय टीका ईजाद किया है उसका नाम है सर्वावैक। इसकी कीमत एक हजार रुपये से भी कम है। यह टीका सर्वाइकल कैंसर के सबसे खतरनाक वेरिएंट एचपीवी, 6, 11, 16 और 18 को पूरी तरह से समाप्त करता है। इतना ही नहीं यह दुनियां का पहला ऐसा टीका है जो सर्वाइकल कैंसर के साथ-साथ वेजाइना, वल्वा, एनल, ओरो फेरिंग्स और पेनिस के कैंसर को भी पूरी तरह से समाप्त करता है। अभी सर्वसुलभ नहीं हुआ है टीका सर्ववैक टीका बाजार में आ चुका है लेकिन अभी सर्वसुलभ नहीं हुआ है। केंद्र सरकार की गाइडलाइन का इंतजार हो रहा है। कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. अमित कुमार की मानें तो केंद्र सरकार की योजना है कि इस टीके को भी टीकारण अभियान के साथ जोड़ दिया जाए, ताकि ये सर्वसुलभ हो और बिना कोई कीमत चुकाए गरीब से गरीब महिला भी बच्चेदानी के मुंह के कैंसर से बचने के लिए आसानी से यह टीका लगवा सके।इस कारण होता है बच्चेदानी के मुंह का कैंसर ह्यूमन पैपीलोमा वायरस-एचपीवी की 200 प्रजातियां हैं। इनमें से 15 कैंसर कारक हैं। इन 15 वायरस को तीन श्रेणियों में बांटा गया है। -लो रिस्क ~ एचपीवी, 6, 11, 42, 43 व 44 -मीडियम रिस्क ~ एचपीवी, 31, 33, 35, 52 व 58 -हाई रिस्क ~ एचपीवी, 16, 18, 45 व 56 डॉ. अमित कुमार बताते हैं कि भारत में एचपीवी, 16 व 18 वायरस 83 प्रतिशत कैंसर का कारक है। एचपीवी, 31, 33, 35, 45 व 58 वायरस 15 प्रतिशत कैंसर कारक है। इन दोनों को मिलाकर 98 प्रतिशत होता है। इसलिए चिकित्सक ये मानते हैं कि इन्हीं दोनों से 100 प्रतिशत सर्वाइकल कैंसर होता है। झारखंड की स्थिति बेहद चिंताजनक डॉ. अमितकुमार बताते हैं कि झारखंड की कुल महिला आबादी की 20 प्रतिशत महिलाएं सर्वाइकल कैंसर से पीड़ित हैं। ये आंकड़ा अस्पतालों तक पहुंचने वाली महिलाओं का है। जबकि गंभीरता स

स्क्रीनिंग की जाए तो ये आंकड़ा बहुत बढ़ जाएगा। जानकारी के अभाव में गांवों की महिलाएं अस्पतालों तक पहुंच ही नहीं पातीं। उन्हें कब सर्वाइकल कैंसर हुआ और कब उनकी मौत हो गई, ये बात गांवों तक ही सीमित रह जाती है।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः सबालेंका ने पोटापोवा को कड़े मुकाबले में हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

मेलबर्न। विश्व नंबर-1 आर्यना सबालेंका ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपनी पहली बड़ी चुनौती को पार करते हुए राउंड ऑफ 16 में प्रवेश कर लिया है। शुक्रवार को खेले गए तीसरे दौर के मुकाबले में सबालेंका ने अनास्तासिया पोटापोवा को सीधे सेटों में 7-6(4), 7-6(7) से हराया।रॉड लेवर एरीना में हुए इस मुकाबले में पोटापोवा ने शानदार टेनिस खेलते हुए सबालेंका को कड़ी टक्कर दी। रूस से हाल ही में अपनी नागरिकता बदलकर ऑस्ट्रिया की ओर से खेलते उतरी पोटापोवा ने शुरुआती मैच में केंद्रीय यूरोपीय देश का बेहतरीन प्रतिनिधित्व किया। दूसरे सेट में सबालेंका 0-4 से पीछे चल रही थीं, लेकिन इसके बाद पोटापोवा ने तीन बार ब्रेक लेकर 6-5 की बढ़त बना ली और मुकाबले को रोमांचक मोड़ पर पहुंचा दिया। हालांकि निर्णायक टाईब्रेक में पोटापोवा चार सेट प्वाइंट का फायदा नहीं उठा सकीं, जिसका खामियाजा उन्हें हार के रूप में भुगतना पड़ा। सबालेंका ने अहम मौकों पर संयम दिखाया और ड्राइव वॉली के जरिए मैच प्वाइंट बनाया। अंततः पोटापोवा की बैकहैंड नेट में जाने के साथ ही मुकाबला सबालेंका के नाम हो गया।

खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2026: तमिलनाडु और मध्य प्रदेश ने जीते स्वर्ण, पदक तालिका में हरियाणा शीर्ष पर कायम

लेह (लद्दाख)। खेलो इंडिया विंटर गेम्स (केआईडब्ल्यूजी) 2026 के तीसरे दिन दो स्वर्ण पदकों का फैसला हुआ, जिसमें तमिलनाडु और मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 500 मीटर लॉन्ग ट्रैक स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक अपने नाम किए। पुरुष वर्ग में तमिलनाडु जबकि महिला वर्ग में मध्य प्रदेश ने शीर्ष स्थान हासिल किया। ये मुकाबले लेह के गुपुख्स पॉन्ड में खेले गए।हरियाणा बुधवार को जीते गए फिगर स्केटिंग के दो स्वर्ण पदकों की बदौलत पदक तालिका में अब भी पहले स्थान पर बना हुआ है। उत्तराखंड, केरल, तमिलनाडु और मध्य प्रदेश एक-एक स्वर्ण के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं, जबकि मेजबान लद्दाख दो रजत और दो कांस्य पदकों के साथ छठे स्थान पर है। लद्दाख चरण का समापन गणतंत्र दिवस के दिन होगा तमिलनाडु के अविक्षित विजय विश्वनाथ ने पुरुष 500 मीटर लॉन्ग ट्रैक में स्वर्ण पदक जीतकर पिछले साल का खिताब बरकरार रखा। उन्होंने 43.48 सेकंड का समय निकाला। आंध्र प्रदेश के दंडा चंद्र मौली को रजत और कर्नाटक के हर्षित बीटी को कांस्य पदक मिला। खास बात यह रही कि शीर्ष छह स्थान दक्षिण भारत के तीन राज्यों के खिलाड़ियों ने साझा किए।

नोरा फतेही 25 जनवरी को हरियाणा थंडर्स के पीडब्ल्यूएल 2026 मुकाबले में होंगी विशेष अतिथि

नोएडा। अंतरराष्ट्रीय आइकन और वैश्विक परफॉर्मर नोरा फतेही 25 जनवरी को प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) 2026 में हरियाणा थंडर्स के मुकाबले के दौरान विशेष अतिथि के रूप में शिरकत करेंगी। यह रोमांचक मुकाबला नोएडा इंडोर स्टेडियम में रात 8 बजे से खेला जाएगा, जहां दर्शकों को खेल और मनोरंजन का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। नोरा फतेही की मौजूदगी से स्टेडियम का माहौल और भी उत्साहपूर्ण होने की उम्मीद है। उनकी भागीदारी पीडब्ल्यूएल की उस बढ़ती पहचान को दर्शाती है, जिसमें उच्च स्तरीय खेल प्रतिस्पर्धा के साथ मुख्यधारा के मनोरंजन को जोड़ा जा रहा है। लीग लगातार एक प्रमुख स्पोर्ट्स-एंटरटेनमेंट मंच के रूप में अपनी जगह मजबूत कर रही है। यह मुकाबला हरियाणा थंडर्स के लिए भी अहम है, जो पीडब्ल्यूएल 2026 सीजन में शानदार फॉर्म में चल रहा है। टीम 23 और 25 जनवरी को अपने मुकाबले खेलेगी और जीत की लय बरकरार रखते हुए अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत करने का लक्ष्य रखेगी।

अंडर 19 वर्ल्ड कपः पाकिस्तान की 8 विकेट से शानदार जीत, हार के बावजूद 'सुपर-6' में जिम्बाब्वे

हरारे। पाकिस्तान ने जिम्बाब्वे के खिलाफ ताकाशिंगा स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए आईसीसी अंडर 19 वर्ल्ड कप 2026 के 19वें मुकाबले को 8 विकेट से अपने नाम किया। ग्रुप-सी से इंग्लैंड और पाकिस्तान के साथ जिम्बाब्वे ने अगले दौर के लिए क्वालीफाई कर लिया है। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी जिम्बाब्वे की टीम 35.5 ओवरों में महज 128 रन पर सिमट गई। इस टीम को 9 के स्कोर पर पहला झटका लगा। कुपाकवाशे मुरादजी 6 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद टीम निरंतर अंतराल पर विकेट गंवाती रही। हालांकि, इस बीच सलामी बल्लेबाज नथानिएल हलाबंगना ने मोर्चा संभाले रखा। उन्होंने 1 छक्के और 7 चौकों के साथ 59 रन की पारी खेली। उनके अलावा, ब्रैंडन सेन्जेरे ने 15 रन, जबकि शेल्टन माजवितोरेरा ने नाबाद 12 रन टीम के खाते में जोड़े, लेकिन इनके अलावा, कोई अन्य बल्लेबाज दहाई के आंकड़े को छू नहीं सका। विपक्षी खेमे से अली रजा ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि मोहम्मद सैय्याम, अब्दुल सुभान और मोमिन कमर ने 2-2 सफलताएं हासिल कीं। आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तानी टीम ने महज 26.2 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। इस टीम ने 19 के स्कोर पर अली हसन (3) का विकेट गंवा दिया था।

रणजी ट्रॉफीः सरफराज खान का दोहरा शतक, मुंबई ने पहली पारी में बनाए 560 रन

एजेंसी

हैदराबाद । राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में हैदराबाद के खिलाफ खेले जा रहे रणजी ट्रॉफी के छठे राउंड के मुकाबले में सरफराज खान के दोहरे शतक की बदौलत मुंबई ने पहली पारी में 560 रन बनाकर मैच में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। विजय हजारे ट्रॉफी में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से रोमांचित करने वाले सरफराज खान जब मुंबई के लिए उजले कपड़ों में उतरे तो उनकी बल्लेबाजी उनकी क्षमता के मुताबिक ही निखरकर सामने आई। पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे सरफराज खान ने 219 गेंद पर 9 छक्कों और 19 चौकों की मदद से 227 रन की पारी खेली। उनकी इसी पारी के दम पर मुंबई पहली पारी में 560 रन बना सकी। सरफराज का प्रथम श्रेणी क्रिकेट का यह पांचवां दोहरा शतक था। पारी के दौरान दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपने 5,000 रन भी पूरे किए।

सरफराज खान ने चौथे विकेट के लिए सिद्धेश लाड के साथ 249 रन की अहम साझेदारी की। इसके अलावा, सरफराज ने सुवेद परकर के साथ भी छठे विकेट के लिए 114 रन की साझेदारी की। सिद्धेश लाड ने 179 गेंद पर 2 छक्कों और 10 चौकों की मदद से 104 रन बनाए। वहीं सुवेद ने 98 गेंद पर 1 छक्के और 11 चौकों की मदद से 75 रन की पारी खेली। इसके अलावा, मुंबई के लिए सलामी बल्लेबाजों अखिल हर्वाडेकर ने 27 और आकाश आनंद ने 35 रन की पारी खेली। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी हुई। अथर्व अंकोलेकर ने भी 22 गेंद पर 35 रन बनाए।

हैदराबाद की तरफ से सीटीएल रक्षण सबसे सफल गेंदबाज रहे। रक्षण ने 24 ओवर में 107 रन देकर 4 विकेट लिए। रोहित रायडू ने 2 विकेट लिए। कप्तान मोहम्मद सिराज, नीतिन साई यादव और कोडीमेला मधुशन हिमतेजा को 1-1 विकेट मिला।

बॉलीवॉल प्रतियोगिता में श्री महेश्वरानंद सांग्वेद सस्कृत महाविद्यालय की टीम रही विजेता

एजेंसी

हरिद्वार। श्री महेश्वरानंद सांग्वेद सस्कृत महाविद्यालय सूरतगिरि बंगला गिरिशानंदाश्रम में आयोजित तीन दिवसीय बॉलीवॉल प्रतियोगिता का शुक्रवार को पुरस्कार वितरण के साथ समापन हो गया। प्रतियोगिता में श्री महेश्वरानंद सांग्वेद सस्कृत महाविद्यालय की टीम विजेता व भगवत धाम विद्यालय की टीम उपविजेता रही। पुरस्कार वितरण समारोह में प्रतिभागियों को अपने संदेश के माध्यम से आश्रम के परमाध्यक्ष महामण्डलेश्वर आचार्य स्वामी विश्वेश्वरानंद गिरि महाराज ने विजेता टीम को बधाई देते हुए कहाकि खेल व्यक्ति के जीवन में आवश्यक है। खेल से शारीरिक व मानसिक विकास होता है। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है, जो विद्यार्थियो के लिए जरूरी है। इस कारण विद्याध्ययन के साथ खेलों में भी रूचि बनाए रखना चाहिए। वरिष्ठ चिकित्सक डा. संजय शाह ने भी खिलाड़ियों को आशीर्वचन देते हुए कहाकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खेलो इंण्डिया का प्रभाव दिखायी देने लगा है। खेल जगत में नयी-नयी प्रतिभाएं सामने आ रही हैं। पढ़ाई के साथ खेलों के माध्यम से भी हम अपने कैरियर को बना सकते हैं। 21 से 23 जनवरी तक आयोजित हुई बॉलीवॉल प्रतियोगिता में श्री गुरुमण्डलाश्रम संस्कृत महाविद्यालय हरिद्वार, श्री भोलानंद संस्कृत महाविद्यालय हरिद्वार, श्री भारती संस्कृत महाविद्यालय हरिद्वार, श्री ऋषिकुल विद्यापीठ संस्कृत महाविद्यालय हरिद्वार, श्री उदासीन संस्कृत महाविद्यालय हरिद्वार, श्री गुरुकुल संस्कृत उ.मा.वि. ज्वालापुर, श्री चेतन ज्योति संस्कृत महाविद्यालय, श्री गीता संस्कृत महाविद्यालय, श्री जगदुरु उ.मा. संस्कृत महाविद्यालय, श्री महेश्वरानंद सांग्वेद संस्कृत महाविद्यालय व श्री गरीबदासीय संस्कृत महाविद्यालय की टीमों ने हिस्सा लिया।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः कार्लोस अल्काराज ने कोरेंटिन मौटेट को हराकर चौथे राउंड में जगह बनाई

एजेंसी

मेलबर्न । दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के चौथे राउंड में जगह बना ली है। अपने 100वें ग्रैंड स्लैम मुकाबले में अल्काराज ने फ्रांस के कोरेंटिन मौटेट को सीधे सेटों में 6-2, 6-4, 6-1 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। दूसरे सेट में 3-0 की बढ़त के बाद अल्काराज ने लगातार चार गेम गंवा दिए, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए 4-4 पर अहम ब्रेक हासिल किया और दो सेट की बढ़त बना ली। तीसरे सेट में उन्होंने पूरी तरह दबदबा बनाते हुए डबल ब्रेक लिया और दो घंटे पांच मिनट में मैच समाप्त कर दिया। मैच के बाद अल्काराज ने कहा, 'कोरेंटिन जैसे खिलाड़ी के खिलाफ खेलना आसान नहीं होता। आपको कभी नहीं पता कि अगला पॉइंट कैसा होगा। मैच को पढ़ना मुश्किल था, लेकिन मुझे कोर्ट पर बहुत मजा आया। हम दोनों ने शानदार शॉट्स खेले और कुछ बेहतरीन पॉइंट्स बने। ' अल्काराज अब 19वीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी टॉमी पॉल से

भिड़ेंगे। अब तक टूर्नामेंट में एक भी सेट न गंवाने वाले अल्काराज अगर अपना पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीत लेते हैं, तो वह सबसे कम उम्र में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। 22 साल के अल्काराज का इस जीत के साथ ग्रैंड स्लैम रिकॉर्ड 87-13 हो गया है। उन्होंने 100 मैचों में सर्वश्रेष्ठ मेजर रिकॉर्ड के मामले में दिग्गज ब्योर्न बोर्ग की बराबरी कर ली। स्पेन के इस खिलाड़ी ने इससे पहले मेलबर्न में दो बार क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया है। इस बार वे खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ ऑस्ट्रेलिया पहुंचे हैं। छह बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अल्काराज ने इस मामले में कई महान खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया है। राफेल नडाल और जॉन मैकेनरो ने अपने पहले 100 मेजर मैचों में 86-14 का रिकॉर्ड बनाया था, जबकि नोवाक जोकोविच 79-21 और रोजर फेडरर 80-20 के आंकड़े तक पहुंचे थे।

अदार पूनावाला ने दिखाई आरसीबी को खरीदने में दिलचस्पी : कहा- मजबूत बोली लगाने की तैयारी कर रहा हूं

एजेंसी

नई दिल्ली । आईपीएल 2026 की शुरुआत से पहले ये चर्चा जोरों पर है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का ऑनर बदल सकता है। इन खबरों के बीच सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ और मशहूर उद्योगपति अदार पूनावाला ने आरसीबी को खरीदने में दिलचस्पी सार्वजनिक रूप से दिखाई है। अदार पूनावाला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'आने वाले कुछ महीनों में आरसीबी के लिए एक मजबूत और प्रतिस्पर्धी बोली लगाने की तैयारी कर रहा हूं। यह आईपीएल की सबसे बेहतरीन टीमों में से एक है।' आईपीएल 2025 में टीम के चैंपियन बनने और सेलिब्रेशन के दौरान हुए हादसे के बाद फ्रेंचाइजी के बिकने की चर्चाएं होती रही हैं। पूर्व में भी कई बार फ्रेंचाइजी के बिकने की खबर आई है जो अब तक गलत साबित हुई है, लेकिन आरसीबी के चैंपियन बनने, टीम की फैन फॉलोइंग और हाल में हुए विवादों के बाद मालिकाना हक बदलने की संभावनाएं बढ़ गई हैं।

जानकारी के मुताबिक पूनावाला के अलावा, विजय किरागंदूर की

कंपनी होम्बले फिल्म्स भी आरसीबी को खरीदने की दौड़ में शामिल मानी जा रही है। होम्बले फिल्म्स 'केजीएफ' और 'कांतारा' जैसी सुपरहिट फिल्मों की निर्माता है। आरसीबी आईपीएल की मौजूदा चैंपियन है। लगातार 17 साल निराशा झेलने के बाद आरसीबी ने 18वें सीजन (आईपीएल 2025) में पहली बार खिताब जीता। रजत पाटीदार की कप्तानी वाली आरसीबी ने फाइनल में श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स को हराकर पहली बार खिताबी जीत का स्वाद चखा था।खिताबी जीत के बाद चार जून को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में टीम प्रबंधन, खिलाड़ी और फैंस जश्न मनाने के लिए जुटे थे। करीब तीन लाख लोग जीत का जश्न मनाने के लिए चिन्नास्वामी स्टेडियम पहुंचे थे, जो प्रशासन की उम्मीद से ज्यादा थी। स्टेडियम के बाहर बेकाबू हुई भीड़ की वजह से भगदड़ मची और 11 लोगों की इसमें जान चली गई थी और 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। इससे टीम की छवि को बड़ा झटका पहुंचा था।

डेविड वार्नर ने सिडनी थंडर के साथ एक साल का करार बढ़ाया

एजेंसी

सिडनी । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर लीग क्रिकेट में फिलहाल अपना जलवा बरकरार रखना चाहते हैं। मौजूदा बीबीएल में सिडनी थंडर के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले वॉर्नर ने अगले सीजन के लिए भी टीम के साथ करार कर लिया है। सिडनी थंडर ने इसकी जानकारी शुक्रवार को दी। सिडनी थंडर के साथ एक साल का करार बढ़ने पर 39 साल के वार्नर ने कहा, 'मैं थंडर के साथ एक और सीजन खेलने के लिए बहुत उत्साहित हूं। यह निश्चित रूप से हमारे लिए एक मुश्किल साल था। हम इस सीजन में मैदान पर उतरी टीम से कहीं बेहतर टीम हैं और लगातार अच्छा खेल नहीं दिखा पाए। हमारे फैंस का समर्थन, हर गेम में बड़ी संख्या में आना, इसने मेरे रुकने के फैसले में बहुत बड़ी भूमिका निभाई।' वार्नर ने कहा, 'मुझे लगता है कि मेरे पास इस टीम और इस गेम को देने के लिए बहुत कुछ है। मैं अपने परफॉर्मेंस से काफी सहज महसूस कर रहा था और टीम को लड़ने का मौका देने पर गर्व महसूस कर रहा था। हमने

पहले ही सीजन का रिव्यू करना शुरू कर दिया है और बीबीएल 16 में एक और मजबूत कैंपेन देने के लिए सही प्लान बना रहे हैं। '

थंडर के जनरल मैनेजर ट्रेंट कोपलैंड ने कहा कि वार्नर के साथ एक साल का साथ बढ़ाना कोई बड़ी बात नहीं थी। हम बहुत खुश हैं कि डेवी एक और सीजन के लिए टीम में बने हुए हैं। उनका साल शानदार रहा है। वह न सिर्फ पिछले 15 सालों में दुनिया के सबसे महान टी20 खिलाड़ियों में से एक हैं, बल्कि बीबीएल के सबसे अच्छे बल्लेबाजों में से एक हैं। उनका फिटनेस लेवल भी बहुत अच्छा है। एक लीडर के तौर पर टीम के लिए निराशाजनक सीजन को बेहतर बनाने की उनकी भूख और उनका जोश पहले की तरह ही मजबूत है।

बिग बैश लीग के 15वें सीजन में वॉर्नर की कप्तानी वाली सिडनी थंडर का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। टीम 10 मैचों में 2 जीत और 8 हार के साथ अंक तालिका में सबसे नीचे (आठवें स्थान पर) रही।

बतौर बल्लेबाज वॉर्नर का प्रदर्शन शानदार रहा। बाएं हाथ के बल्लेबाज वॉर्नर मौजूदा सीजन के शीर्ष स्कोरर हैं। 8 मैचों की 8 पारियों में 3 बार नाबाद रहते हुए 2 शतक और 2 अर्धशतक की मदद से उन्होंने 433 रन बनाए हैं। उनका सर्वाधिक स्कोर नाबाद 130 रहा। इस दौरान उनका औसत 86 और स्ट्राइक रेट 154.09 रहा। दूसरे स्थान पर 430 रन के साथ मौजूद फिन एलेन फाइनल मुकाबले में उन्हें पीछे छोड़ सकते हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः अल्कराज ने मौटे को सीधे सेटों में हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

मेलबर्न। स्पेन के युवा टेनिस स्टार कार्लोस अल्कराज ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शुक्रवार को फ्रांस के कोरेंटिन मौटे को सीधे सेटों में हराकर राउंड ऑफ 16 में प्रवेश कर लिया। अपने 100वें ग्रैंड स्लैम मुकाबले में अल्कराज ने 6-2, 6-4, 6-1 से जीत दर्ज की। यह मुकाबला दो घंटे पांच मिनट तक चला। 22 वर्षीय छह बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अल्कराज रॉड लेवर एरीना पर पूरी तरह हावी नजर आए। इस जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए उनका मुकाबला अमेरिका के 19वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल से तय हो गया है।अल्कराज अब तक ऑस्ट्रेलियन ओपन में क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ सके हैं और यह इकलौता ग्रैंड स्लैम है जो उनके खिताबी संग्रह में शामिल नहीं है। अगर वह यहां खिताब जीतते हैं, तो चारों ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बन

जाएंगे। मैच के बाद अल्कराज ने कहा, 'कोरेंटिन जैसे खिलाड़ी के खिलाफ खेलना आसान नहीं होता, क्योंकि आप नहीं जानते कि अगला शॉट क्या होगा। लेकिन कोर्ट पर मुझे काफी मजा आया। ' यह अल्कराज के करियर का 100वां ग्रैंड स्लैम मैच था और इस दौरान उनका रिकॉर्ड 87 जीत और 13 हार का रहा, जो दिग्गज ब्योर्न बॉर्ग के रिकॉर्ड की बराबरी करता है।

डब्ल्यूपीएलः यूपी वॉरियर्स के खिलाफ 45 रन से जीत, गुजरात जायंट्स ने प्वाइंट्स टेबल में लगाई लंबी छलांग

एजेंसी

वडोदरा। विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 के 14वें मुकाबले में यूपी वॉरियर्स को 45 रन से मात देकर गुजरात जायंट्स ने प्वाइंट्स टेबल में लंबी छलांग लगाई है। यह टीम सबसे निचले पायदान से सीधे दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। 6 में से 3 मैच जीतने के बाद गुजरात जायंट्स के पास 6 अंक हैं, जबकि मुंबई इंडियंस, यूपी वॉरियर्स और दिल्ली कैपिटल्स के पास 4-4 अंक हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु शुरुआती पांचों मुकाबले जीतकर अगले दौर के लिए क्वालीफाई कर चुकी है। बीसीए स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी गुजरात जायंट्स की टीम ने 8 विकेट खोकर 153 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज बेथ मूनी ने डैनियल व्याट-हॉज के साथ 3 ओवरों में 23 रन की साझेदारी की। हॉज 14 रन बनाकर आउट हुईं।

इसके बाद बेथ मूनी ने छोटी-छोटी साझेदारियां करते हुए टीम को 93 के स्कोर तक पहुंचाया। मूनी ने 34 गेंदों में 5 चौकों के साथ 38 रन बनाए। उनके आउट होने के बाद सोफी डिवाइन ने मोर्चा संभाला, जिन्होंने 42 गेंदों में 3 छक्कों और 2 चौकों के साथ 50 रन की नाबाद पारी खेली। विपक्षी खेमे से क्रांति गौड़ और सोफी एक्लेस्टोन ने 2-2 विकेट हासिल किया, जबकि दीप्ति शर्मा और क्लो ट्रायोन ने 1-1 विकेट निकाला। इसके जवाब में यूपी वॉरियर्स 17.3 ओवरों में 108 रन पर सिमट गई।इस टीम को 2 रन पर किरण (0) के रूप में पहला झटका लगा, जिसके बाद कप्तान मेग लैनिंग (14) ने फोएबे लिचफील्ड के साथ 37 रन की साझेदारी की, लेकिन इस जोड़ी के टूटते ही टीम निरंतर अंतराल पर विकेट गंवाती रही।

इस टीम के लिए फोएबे लिचफील्ड ने 27 गेंदों में सर्वाधिक 32 रन बनाए, जबकि क्लो ट्रायोन ने 30 रन की नाबाद पारी खेली। कप्तान मेग लैनिंग ने 14 रन का योगदान दिया। इनके अलावा किसी अन्य बल्लेबाज ने दहाई का आकंड़ा नहीं छुआ। जायंट्स की तरफ से राजेश्वरी गायकवाड़ ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि रेणुका ठाकुर और सोफी डिवाइन ने 2-2 विकेट निकाले।

टी20 विश्व कप से बाहर हुए एडम मिल्ने, उनकी जगह न्यूज़ीलैंड ने काइल जैमीसन को दिया मौका

एजेंसी

वेलिंगटन । टी20 विश्व कप 2026 से ठीक पहले न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को तगड़ा झटका लगा है। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज एडम मिल्ने इंजरी की वजह से विश्व कप से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह न्यूजीलैंड क्रिकेट ने काइल जैमीसन को विश्व कप की टीम में शामिल किया है। एडम मिल्ने रविवार को साउथ अफ्रीका 20 लीग के दौरान गेंदबाजी करते हुए इंजर्ड हो गए थे। उनके बाएं हैमस्ट्रिंग में चोट लगी है। इस चोट ने उनका विश्व कप खेलने का सपना चकनाचूर कर दिया है। न्यूजीलैंड के हेड कोच रॉब वाल्टर ने कहा, 'हम सभी एडम के लिए दुखी हैं। उन्होंने टूर्नामेंट के लिए खुद को तैयार करने में बहुत मेहनत की थी और ईस्टर्न केप सनराइजर्स के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे थे। एडम के लिए यह बुरा समय है और हम उनके जल्दी ठीक होने की कामना करते हैं। ' रॉब वाल्टर ने मिल्ने की जगह टीम में जगह बनाने वाले काइल जैमिसन की तारीफ करते हुए कहा कि वह एक योग्य रिप्लेसमेंट थे। वाल्टर ने कहा, 'वह एक मेहनती खिलाड़ी है, जिसके पास अच्छी स्किल्स और अनुभव हैं, जो उसे टूर्नामेंट के लिए उपयोगी बनाता है। यह बहुत अच्छा है कि काइल पहले से ही हमारे साथ इंडिया में है। वह हमारे पेस-बॉलिंग ग्रुप का एक जरूरी सदस्य है और इस टूर पर उसने जबरदस्त प्रदर्शन किया है। '

जैमीसन, जो अभी भारत के व्हाइट-बॉल टूर का हिस्सा हैं, को टी20 विश्व कप टीम में शामिल किया गया है। पहले उन्हें विश्व कप टीम में रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर चुना गया था।

31 साल के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज काइल जैमिसन ने न्यूजीलैंड के लिए 24 टी20 मुकाबले खेले हैं जिसमें 23 विकेट हासिल किए हैं।

न्यूजीलैंड को विश्व कप में ग्रुप डी में रखा गया है। इस ग्रुप में न्यूजीलैंड के अलावा दक्षिण अफ्रीका, अफगानिस्तान, यूएई और कनाडा हैं। दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान की वजह से यह ग्रुप मुश्किल ग्रुप बन गया है। न्यूजीलैंड अपने कैंपेन की शुरुआत 8 फरवरी को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में अफगानिस्तान के खिलाफ मैच से करेगा।

होबार्ट हरिकेन्स को लगा बड़ा झटका, बीबीएल के शेष मैचों से बाहर हुए नाथन एलिस

एजेंसी

सिडनी। बिग बैश लीग (बीबीएल) 2025-26 के फाइनल चरण से पहले होबार्ट हरिकेन्स को करारा झटका लगा है। टीम के कप्तान और स्टार तेज गेंदबाज नाथन एलिस हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण टूर्नामेंट के शेष मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। इसके चलते वह सिडनी सिक्सर्स के खिलाफ होने वाले चैलेंजर मैच में भी हिस्सा नहीं ले पाएंगे। एलिस इससे पहले मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ बारिश से प्रभावित मुकाबले में भी नहीं खेल सके थे। हालांकि, वह चैलेंजर मैच के लिए सिडनी पहुंचे थे और हरिकेन्स की 14 सदस्यीय टीम में शामिल किए गए थे। उम्मीद थी कि वह अहम मुकाबले में वापसी करेंगे, लेकिन एससीजी में मैच शुरू होने से कुछ घंटे पहले ही उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। उनकी जगह बल्लेबाज चार्ली वाकिम को टीम में शामिल किया गया है। होबार्ट हरिकेन्स ने जारी बयान में कहा, 'क्लब इस बात की पुष्टि करता है कि कप्तान नाथन एलिस हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण बीबीएल सीजन और बीबीएल 15 फाइनल्स के बाकी मुकाबलों से बाहर रहेंगे। एलिस, जो बुधवार रात खेले गए नॉकआउट मैच में भी नहीं खेल पाए थे, फाइनल्स के आखिरी दो मैचों में वापसी की कोशिश कर रहे थे, लेकिन दुर्भाग्यवश वह चोट से उबर नहीं सके। ' एलिस की गैरमौजूदगी में बेन मैकडरमॉट टीम की कमान संभालते रहेंगे।

मेंस हीरो एचआईएल एलिमिनेटर प्रीव्यूः हैदराबाद तूफान्स और एचआईएल जीसी के बीच होगी प्लेऑफ की जंग

एजेंसी

भुवनेश्वर। मेंस हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2025-26 का नॉकआउट चरण अपने चरम पर है। आज एलिमिनेटर मुकाबले में हैदराबाद तूफान्स और एचआईएल जीसी आमने-सामने होंगे। कालींगा हॉकी स्टेडियम में शाम 5:00 बजे से खेले जाने वाले इस मुकाबले में हारने वाली टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी, जबकि विजेता टीम क्वालीफायर-2 में जगह बनाएगी।लीग चरण में हैदराबाद तूफान्स और एचआईएल जीसी दोनों ने 11-11 अंक अर्जित किए। बेहतर गोल अंतर (+6) के चलते हैदराबाद तूफान्स तीसरे स्थान पर रहे, जबकि +3 गोल अंतर के साथ एचआईएल जीसी चौथे स्थान पर रही। इस मैच की विजेता टीम क्वालीफायर-1 में वेदांता कालींगा लांसर्स और रांची रॉयल्स के बीच होने वाले मुकाबले में हारने वाली टीम से फाइनल में पहुंचने के लिए भिड़ेगी। हैदराबाद तूफान्स का लीग चरण का प्रदर्शन संतुलित रहा। टीम ने तीन जीत दर्ज कीं, दो मुकाबले नियत समय में गंवाए और दो मैच शूटआउट में हारी। टूर्नामेंट में टीम ने 17 गोल किए, जबकि सिर्फ 11

गोल खाए, जो लीग में दूसरा सबसे कम आंकड़ा है। पेनल्टी कॉर्नर हैदराबाद की सबसे बड़ी ताकत रहे हैं। अमनदीप लाकड़ा टीम के लिए छह गोल के साथ शीर्ष स्कोरर हैं और उनके सभी गोल पेनल्टी कॉर्नर से आए हैं। टीम की पेनल्टी कॉर्नर कन्वर्जन रेट 23.8फीसदी है, जो टूर्नामेंट में तीसरी सर्वश्रेष्ठ है।

एचआईएल जीसीः आक्रामक खेल और सेट-पीस में धार

एचआईएल जीसी ने भी लीग चरण में तीन जीत हासिल कीं, लेकिन टीम की पहचान उसके आक्रामक खेल से बनी। एचआईएल जीसी ने अब तक 21 गोल किए हैं, जो लीग में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। केन रसेल एचआईएल जीसी के सबसे घातक खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने 13 गोल दागे हैं और ये सभी पेनल्टी कॉर्नर से आए हैं। 36.8% की पेनल्टी कॉर्नर कन्वर्जन रेट के साथ एचआईएल जीसी इस मामले में टूर्नामेंट में शीर्ष पर है।

मैच से पहले कप्तान हार्दिक सिंह ने कहा, 'हमने पूरे टूर्नामेंट में सकारात्मक हॉकी खेली है। एलिमिनेटर जैसे मुकाबलों में संयम और सही फैसले बहुत अहम होते हैं। हमें अपने आक्रमण और पेनल्टी कॉर्नर पर पूरा भरोसा है और हम निडर होकर खेलेंगे। '

हेड-टू-हेड और बढ़ता रोमांच

लीग चरण में दोनों टीमों की एक बार भिड़ंत हुई थी, जिसमें हैदराबाद तूफान्स ने एचआईएल जीसी को 3-2 से हराया था। वह मुकाबला बेहद रोमांचक रहा था और इसी कारण एलिमिनेटर मैच को लेकर उत्सुकता और भी बढ़ गई है।

सब कुछ दांव पर

एलिमिनेटर मुकाबले में दोनों टीमों के लिए जीत बेहद जरूरी है। जीतने वाली टीम खिताब की रेस में बनी रहेगी, जबकि हारने वाली टीम का सफर यहीं समाप्त हो जाएगा। दर्शकों को एक हाई-इंटेंसिटी मुकाबले की उम्मीद है।

इंडियन बैंक का तीसरी तिमाही में मुनाफा सात फीसदी बढ़कर 3,061 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 दिसंबर को समाप्?त अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में बैंक का मुनाफा 7.33 फीसदी बढ़कर 3,061 करोड़ रुपये रहा। इंडियन बैंक को वित्त वर्ष 2024-25 की इसी तिमाही में 2,852 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इंडियन बैंक ने जारी एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी में उसकी शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 7.50 फीसदी बढ़कर 6,896 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 6,415 करोड़ रुपये थी। इस दौरान बैंक की कुल आय बढ़कर 19,663 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में 17,912 करोड़ रुपये थी। बैंक का प्रावधान और आकस्मिक खर्च चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में घटकर 857 करोड़ रुपये रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 1,059 करोड़ रुपये था। इसके साथ ही परिसंपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) सुधरकर 2.23 प्रतिशत पर आ गई, जो एक साल पहले 3.26 फीसदी थी।

व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण में सहयोग के लिए एमएसडीई का डब्ल्यूईएफ से समझौता

नई दिल्ली। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) ने व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण में सहयोग को गहरा करने के लिए विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के साथ ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के मुताबिक इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से एमएसडीई विश्व आर्थिक मंच के साथ सहयोग करेगा, ताकि भारत में एक कौशल त्वरक (स्किल्स एक्सीलरेटर) लॉन्च और लागू किया जा सके। यह समझौता भारत के तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (टीवीईटी) पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के प्रयासों का समर्थन करेगा, जिससे कौशल पहलों और उद्योग तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकसित होती मांगों के बीच निकट संरेखण सुनिश्चित होगा। कौशल विकास एवं उद्यमिता के स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री तथा भारत सरकार के शिक्षा मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि भारत के कौशल पारिस्थितिकी तंत्र को कार्य के भविष्य के साथ संरेखित करने का जो रणनीतिक दृष्टिकोण शुरू हुआ था, जो अब संरचित और वैश्विक रूप ले चुका है। उन्होंने कहा कि विश्व आर्थिक मंच के साथ साझेदारी में भारत कौशल त्वरक का औपचारिकीकरण एक भविष्य-तैयार, वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी कार्यबल निर्माण में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

फिक्की के 'प्री-बजट सर्वे' में जीडीपी वृद्धि दर 7-8 फीसदी रहने की उम्मीद

नई दिल्ली। उद्योग मंडल भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) के एक 'प्री-बजट सर्वे' में भारत की सकल घरेलू उत्?पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 7-8 फीसदी रहने का अनुमान है। इस सर्वे में डिफेंस बजट को 30 फीसदी करने और ड्रोन रिसर्च के लिए 1,000 करोड़ रुपये के आवंटन की सिफारिश की गई है। उद्योग मंडल फिक्की ने अपना 'प्री-बजट सर्वे 2026-27' जारी किया, जिसमें इंडस्ट्री की भावना को जाना गया और आने वाले केंद्रीय बजट से पहले प्रमुख पॉलिसी सुझावों की रूपरेखा तैयार की गई। फिक?की की ओर से जारी इस सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक अधिकांश उद्योग प्रतिनिधियों ने भारत की आर्थिक वृद्धि संभावनाओं को लेकर भरोसा जताया गया है। फिक्की के सर्वेक्षण में केंद्रीय बजट 2026-27 के लिए तीन प्रमुख प्राथमिकताएं उभरकर सामने आई हैं। इनमें रोजगार सृजन, बुनियादी ढांचे पर लगातार जोर और निर्यात को मजबूत समर्थन शामिल हैं। बुनियादी ढांचा, विनिर्माण, रक्षा और एमएसएमई जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिए जाने की भी उम्मीद है। सर्वे में शामिल आधे उद्योग प्रतिनिधियों ने उम्मीद जताई है कि वित्त वर्ष 2026-27 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर सात से आठ फीसदी के दायरे में बनी रहेगी। 80 फीसदी प्रतिभागियों ने वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की मध्यम अवधि के आर्थिक बुनियादी पहलुओं पर विश्वास जताया है। उद्योग जगत ने इस सर्वे में राजकोषीय सूझबूझ के महत्व को भी रेखांकित किया।

तीसरी तिमाही में इंडिगो का लाभ 78 फीसदी घटकर 549.1 करोड़ रुपये हुआ

नई दिल्ली। कि देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही के नतीते का ऐलान कर दिया है। 31 दिसंबर को समाप्?त अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एयरलाइन का मुनाफा 78 फीसदी घटकर 549.1 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी की पिछले महीने व्यापक स्तर पर उड़ानें रद्द होने की वजह से यह घाटा माना जा रहा है। कंपनी ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान उसका मुनाफा 78 फीसदी घटकर 549.1 करोड़ रुपये रह गया। एयरलाइन को पिछले वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में 2,448.8 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन की कुल आय वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में बढ़कर 24,540.6 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 22,992.8 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने कहा कि दिसंबर महीने में ऑपरेशनल दिक्कतों के कारण उसके प्रॉफिट पर असर पड़ा, जिससे 577 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

'ट्रक्स-ऑन-ट्रेन' सेवा से रेल और देश को बड़ा लाभ, 131 करोड़ रुपये से अधिक राजस्व और भारी ईंधन की बचत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रेल की डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) पर संचालित 'ट्रक्स-ऑन-ट्रेन' सेवा ने आर्थिक, पर्यावरणीय और लॉजिस्टिक्स के मोर्चे पर उल्लेखनीय लाभ दिया है। रेल मंत्रालय के अनुसार इस सेवा से अब तक 131 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व अर्जित किया गया है, जबकि सड़क परिवहन पर निर्भरता कम होने से ईंधन बचत और प्रदूषण में भी बड़ी कमी आई है। मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक सेवा की शुरुआत से अब तक 1,955 से अधिक ट्रिप पूरी की जा चुकी हैं, जिनमें 10 लाख टन से अधिक माल की ढुलाई हुई है। केवल वित्त वर्ष 2025 (अप्रैल-दिसंबर) के दौरान ही 545 रेक के माध्यम से 3 लाख टन से अधिक माल ले जाया गया, जिससे 36.95 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। सबसे बड़ा लाभ पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के

न्यू पालनपुर-न्यू रेवाड़ी खंड पर देखने को मिला। इस 636 किलोमीटर लंबे मार्ग पर ट्रकों की लंबी दूरी की यात्रा रेल पर स्थानांतरित होने से लगभग 48,875 ट्रक राजमार्गों से हटे। इसके परिणामस्वरूप करीब 88.81 लाख लीटर डीजल की बचत हुई और लगभग 2.30 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन रोका जा सका। रेल मंत्रालय ने बताया कि आर्थिक दृष्टि से भी यह सेवा परिवहनकर्ताओं के लिए फायदेमंद साबित हुई है। लंबी दूरी के हाई-वे टोल से बचाव, कम ईंधन खर्च और तय समय में माल पहुंचने से लॉजिस्टिक्स लागत में उल्लेखनीय कमी आई है। न्यू पालनपुर टर्मिनल से 273 रेक चलाकर 20.18 करोड़ रुपये और न्यू रेवाड़ी से 272 रेक के जरिए 16.76 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित हुआ, जिससे दोनों टर्मिनलों पर संतुलित और निरंतर कारोबार सुनिश्चित हुआ। पर्यावरणीय लाभों के साथ-साथ सामाजिक फायदे भी सामने आए हैं। ट्रकों की लंबी दूरी की यात्रा कम होने से सड़क दुर्घटनाओं में कमी, चालक थकान में गिरावट और राजमार्गों पर यातायात दबाव कम हुआ है। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के पूर्ण विद्युतीकरण के कारण यह सेवा मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों में भी निर्बाध रही, जिससे आपूर्ति श्रृंखला की विश्वसनीयता बढ़ी है।

पीएसजीआईसी, नाबार्ड और आरबीआई के लिए वेतन और पेंशन रिवीजन को मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की सामान्य बीमा कंपनियों (पीएसजीआईसी) और राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के लंबे समय से रुके वेतन संशोधन को मंजूरी दे दी है। साथ ही सरकार ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) और नाबार्ड के रिटायर कर्मचारियों के पेंशन संशोधन को भी मंजूरी दी है। केंद्र सरकार के इस फैसले से लगभग 46322 कर्मचारियों, 23570 पेंशनभोगियों और 23260 पारिवारिक पेंशनभोगियों को फायदा होगा। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि पीएसजीआईसी के कर्मचारियों के लिए वेतन संशोधन 01 अगस्त, 2022 से लागू होगा। वेतन बिल में कुल 12.41 फीसदी की बढ़ोतरी होगी, जिसमें मौजूदा बेसिक पे और महंगाई भत्ते में 14 फीसदी की वृद्धि शामिल है। इस संशोधन से कुल 43,247 सार्वजनिक क्षेत्र की सामान्य बीमा कंपनियों के कर्मचारियों को फायदा होगा। इस बदलाव में 01 अप्रैल 2010 के बाद नौकरी ज्वाइन करने वाले कर्मचारियों के बेहतर भविष्य के लिए एनपीएस योगदान को 10 फीसदी से बढ़ाकर 14 फीसदी करने का भी प्रावधान है। वित्त मंत्रालय ने आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पारिवारिक पेंशन को 30 फीसदी की समान दर पर संशोधित किया है, जिससे कुल 15,582 मौजूदा फैमिली पेंशनर्स में से 14,615 फैमिली पेंशनर्स को फायदा होगा। इस पर कुल खर्च 8,170.30 करोड़ रुपये होगा, जिसमें (वेतन रिवीजन के बकाया के लिए 5,822.68 करोड़ रुपये, एपीएस के लिए 250.15 करोड़ रुपये और फैमिली पेंशन के लिए 2,097.47 करोड़ रुपये) शामिल है।

सीड ग्रुप के साथ साझेदारी से इंविंसिबल ओसियन की यूएई में एंट्री, मोबिलिटी और क्लाउड समाधानों को मिलेगी नई गति

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय डीपटेक कंपनी इंविंसिबल ओसियन ने यूएई के तकनीकी और डिजिटल सेवाओं के बाजार में अपने विस्तार की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए सीड ग्रुप के साथ रणनीतिक साझेदारी की है। सीड ग्रुप, शेख सईद बिन अहमद अल मकतूम के प्राइवेट ऑफिस से संबद्ध एक प्रमुख संस्था है। इस सहयोग के तहत इंविंसिबल ओसियन के एआई-पावर्ड डिजिटल आइडेंटिटी वेरिफिकेशन, फ्रॉड डिटेक्शन और सुरक्षित ऑनबोर्डिंग समाधानों को दुबई और पूरे यूएई में वित्तीय, बीमा और एंटरप्राइज क्षेत्रों में पेश किया जाएगा। यह साझेदारी डिजिटल ट्रस्ट, नियामकीय अनुपालन और परिचालन दक्षता को मजबूत करने के साझा उद्देश्य को दर्शाती है। सीड ग्रुप की क्षेत्रीय विशेषज्ञता, दो दशकों से अधिक का बाजार अनुभव और यूएई के निर्णयकर्ताओं के साथ गहरे संस्थागत संबंध, इंविंसिबल ओसियन को मिडिल ईस्ट में अपनी मौजूदगी तेज़ी से स्थापित करने में मदद करेंगे।

दिल्ली स्थित इंविंसिबल ओसियन एक एआई-संचालित टेक्नोलॉजी कंपनी है, जो डिजिटल ऑनबोर्डिंग, फ्रॉड डिटेक्शन, वीडियो एनालिटिक्स और क्लाउड-नेटिव एआई प्लेटफॉर्म्स के जरिए एंटरप्राइज-ग्रेड समाधान उपलब्ध कराती है। इस साझेदारी पर सीड ग्रुप और द प्राइवेट ऑफिस ऑफ शेख सईद बिन अहमद अल मकतूम के सीईओ हिशाम अल गुरग ने कहा,

'डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं के विस्तार के साथ स्केलेबल और इंटेलिजेंट वेरिफिकेशन फ्रेमवर्क की मांग लगातार बढ़ रही है। इंविंसिबल ओसियन का एआई-आधारित दृष्टिकोण क्षेत्रीय नियामकीय अपेक्षाओं के अनुरूप है। यह साझेदारी उन व्यवसायों के लिए व्यावहारिक मूल्य लाएगी जो तेज़ ऑनबोर्डिंग, कम फ्रॉड जोखिम और उच्च परिचालन दक्षता चाहते हैं।' इंविंसिबल ओसियन के संस्थापक एवं सीईओ अजय सेतिया ने कहा, 'यूएई में प्रवेश के लिए सीड ग्रुप के साथ साझेदारी करना हमारे लिए सम्मान की बात है। किसी भी बाजार में सिर्फ तकनीक नहीं, बल्कि स्थानीय नियमों, व्यवसायिक संस्कृति और जरूरतों को समझना भी उतना ही ज़रूरी होता है। यह सहयोग हमें मिडिल ईस्ट के लिए भविष्य-तैयार समाधान बनाने में मदद करेगा।'

यह साझेदारी यूएई के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को आगे बढ़ाने और दुबई को सुरक्षित फिनटेक व डिजिटल सेवाओं के वैश्विक केंद्र के रूप में मजबूत करने में सहायक होगी। यह पहल एमईएनए क्षेत्र में रेगुलेटरी टेक्नोलॉजी को अपनाने, डेटा सुरक्षा सुधारने और डिजिटल व्यापार को बढ़ावा देने के व्यापक उद्देश्यों के अनुरूप है।

मप्र और डीपी वर्ल्ड के बीच हुआ एमओयू, लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश सहयोग के लिए बनी सहमति

एजेंसी

दावोस। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम-2026 के दौरान देर रात स्विट्जरलैंड के शहर दावोस में मध्?य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में मप्र और वैश्विक लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन क्षेत्र की संयुक्त अरब अमीरात (दुबई) में स्थित अग्रणी कंपनी डीपी वर्ल्ड के बीच महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) हुआ। इस मौके पर मध्य प्रदेश शासन की ओर से अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई और डीपी वर्ल्ड की ओर से मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा वित्त एवं व्यवसाय विकास अधिकारी अनिल मोहता ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर डीपी वर्ल्ड समूह अध्यक्ष सुल्तान अहमद बिन सुलायेम उपस्थित रहे। इस एमओयू के माध्यम से औद्योगिक विकास और निवेश सहयोग से जुड़े विषयों पर सहमति बनी, जो राज्य में लॉजिस्टिक्स, इन्फ्रॉस्ट्रक्चर और व्यापारिक गतिविधियों को नई दिशा देने की क्षमता रखती है। एमओयू में डीपी वर्ल्ड द्वारा मध्य प्रदेश में निवेश नीतियों और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण और बुनियादी ढांचे के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। एमओयू के दौरान दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे और

और सहयोग की संभावनाओं को आगे बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की गई। यह पहल राज्य को राष्ट्रीय और वैश्विक सप्लाई चेन नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में अहम मानी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर राज्य की औद्योगिक औपचारिक रूप से समझौता दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया गया। यह समझौता ज्ञापन मध्यप्रदेश को लॉजिस्टिक्स और व्यापार के क्षेत्र में एक सशक्त केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा।

ट्राई ने की दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और आजमगढ़-मऊ में मोबाइल नेटवर्क की जांच

एजेंसी

नई दिल्ली। दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने साल 2025 के दिसंबर महीने में दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और उत्तर प्रदेश के आजमगढ़मऊ में किए गए मोबाइल नेटवर्कों की जांच के नतीजे जारी किए। इन परीक्षणों में आम परिस्थितियों में मोबाइल नेटवर्क की गुणवत्ता और इंटरनेट सेवाओं का आकलन किया गया।

केंद्रीय संचार मंत्रालय के अनुसार रिलायंस जियो ने लगभग सभी जगहों पर सबसे तेज इंटरनेट और बेहतर कॉल क्वालिटी दी। एयरटेल भी अच्छा प्रदर्शन किया, जबकि वोडाफोन आइडिया कई जगहों पर अच्छा और कई जगहों पर पीछे रहा। बीएसएनएल और एमटीएनएल का प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन किया।

दिल्ली (15-18 दिसंबर 2025)-

दिल्ली में कुल 347.4 किलोमीटर का ड्राइव टेस्ट किया गया, 12 प्रमुख हॉटस्पॉट स्थानों पर नेटवर्क की स्थिति देखी गई और 7.8 किलोमीटर का वॉक टेस्ट भी किया गया। कॉल सेटअप सफलता दरः

एयरटेल 100.00 फीसदी, वोडाफोन आइडिया 99.64 फीसदी, जियो 98.36 फीसदी, एमटीएनएल 95.23 फीसदी।

कॉल ड्रॉप दरः वोडाफोन आइडिया 0.00 फीसदी, एयरटेल 0.12 फीसदी, जियो 0.36 फीसदी, एमटीएनएल 6.60 फीसदी।

औसत डाउनलोड स्पीडः जियो 265.51 एमबीपीएस, एयरटेल 168.92 एमबीपीएस, वोडाफोन आइडिया 34.35 एमबीपीएस, एमटीएनएल 4.40 एमबीपीएस।

जम्मू-कश्मीर (8-11 दिसंबर 2025)-

जम्मू-कश्मीर के कटरा और उधमपुर शहरों के साथ-साथ दिल्ली से कटरा तक के रेलवे मार्ग पर कुल 654 किलोमीटर का परीक्षण किया गया।

कॉल सेटअप सफलता दरः जियो 98.39 फीसदी, एयरटेल 97.28 फीसदी, वोडाफोन आइडिया 93.11 फीसदी, बीएसएनएल 82.65 फीसदी।

कॉल ड्रॉप दरः जियो 2.45 फीसदी, एयरटेल 3.46 फीसदी, वोडाफोन आइडिया 2.69 फीसदी, बीएसएनएल 11.36 फीसदी।

औसत डाउनलोड स्पीडः जियो 216.24 एमबीपीएस, एयरटेल 114.63 एमबीपीएस, वोडाफोन आइडिया 17.00 एमबीपीएस, बीएसएनएल 4.70 एमबीपीएस।

आजमगढ़मऊ (2-5 दिसंबर 2025)-

आजमगढ़ और मऊ में 2 से 5 दिसंबर 2025 के बीच नेटवर्क की जांच की गई। इस दौरान कुल 288.2 किलोमीटर का ड्राइव टेस्ट किया गया और 4.3 किलोमीटर पैदल चलकर वॉक टेस्ट भी किया गया।

कॉल सेटअप सफलता दरः वोडाफोन आइडिया 99.84 फीसदी, जियो 99.68 फीसदी, एयरटेल 99.51 फीसदी, बीएसएनएल 89.24 फीसदी।

कॉल ड्रॉप दरः वोडाफोन आइडिया 0.00 फीसदी, एयरटेल और जियो 0.16 फीसदी, बीएसएनएल 3.38 फीसदी।

खराब सिग्नल दर (डेटा): बीएसएनएल 32.67 फीसदी, एयरटेल 7.29 फीसदी, जियो 8.04 फीसदी, वोडाफोन आइडिया 9.29 फीसदी।

सीतारमण ने डी. पुरंदेश्वरी के नेतृत्व में किसानों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2026-27 के बजट से पहले नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की सांसद डी. पुरंदेश्वरी के नेतृत्व में किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में पर लिखा, ''लोकसभा के सांसद डी. पुरंदेश्वरी के नेतृत्व में किसानों का एक प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की।'' आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक एफसीवी तंबाकू किसान महासंघ की ओर से जारी एक बयान के अनुसार सांसद डी. पुरंदेश्वरी ने वित्त मंत्री से कहा कि कराधान में अचानक वृद्धि से 'फ्लू-क्योर्ड वर्जीनिया' (एफसीवी) तंबाकू की खेती पर निर्भर लाखों किसान परिवारों के लिए संकट पैदा हो सकता है और विनियमित विपणन तंत्र बाधित हो सकता है। पुरंदेश्वरी ने सीतारमण से मुलाकात के दौरान चिंता व्यक्त की कि करों में भारी वृद्धि से वैध व्यापार में गिरावट आ सकती है। अवैध व्यापार का विस्तार हो सकता है, जिसके परिणामस्वरूप सरकारी खजाने को राजस्व का

नुकसान होने की संभावना है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के किसानों ने वित्त मंत्री को सूचित किया कि उनकी फसल तैयार है और अगले महीने नीलामी शुरू होने की उम्मीद है। उन्होंने आशंका व्यक्त की कि करों में बढ़ोतरी से घरेलू खपत कम हो सकती है, जिससे कीमतों में गिरावट आने और बिना बिके भंडार का अंबार लगने की स्थिति पैदा हो सकती है।

अमेजन अगले हफ्ते बड़ी संख्या में कर्मचारियों की कर सकता है छंटनी : रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली । अमेरिकी ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजन अगले हफ्ते 30,000 कर्मचारियों की छंटनी के दूसरे दौर को शुरू कर सकती है। इसकी वजह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग बढ़ना है। यह जानकारी रिपोर्ट्स में दी गई। नए दौर की छंटनी में सबसे ज्यादा अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस), एचआर, अमेजन प्राइम वीडियो और रिटेल सेगमेंट में काम करने वाले कर्मचारी प्रभावित हो सकते हैं। इससे पहले अक्टूबर में अमेजन ने 14,000 व्हाइट कॉलर कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है, जो कि उसके 30,000 कर्मचारियों की छंटनी की योजना का हिस्सा था।

रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से बताया कि दूसरे दौर की छंटनी में भी कुछ इतनी ही संख्या में कर्मचारियों को निकाला जा सकता

है। कंपनी ने अभी तक इस रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी नहीं की है। ई-कॉमर्स क्षेत्र की इस दिग्गज कंपनी ने एक आंतरिक पत्र में अक्टूबर में हुई छंटनी को एआई सॉफ्टवेयर के बढ़ते उपयोग से जोड़ा था। पत्र के अनुसार, 'एआई की यह पीढ़ी इंटरनेट के बाद सबसे क्रांतिकारी तकनीक है, और यह कंपनियों को पहले से कहीं अधिक तेजी से इनोवेशन करने में सक्षम बना रही है।' हालांकि, बाद में, अमेजन के सीईओ एंडी जेसी ने कंपनी की तीसरी तिमाही की आय घोषणा के दौरान विश्लेषकों को बताया कि यह कटौती 'वास्तव में वित्तीय कारणों से' या 'एआई-प्रेरित' नहीं थी। उन्होंने कहा, 'यह कल्चर का मामला है,' जिसका अर्थ था कि कंपनी में बहुत अधिक नौकरशाही थी। उन्होंने कहा, 'आपके पास पहले की तुलना में कहीं अधिक लोग हो जाते हैं, और आपके पास कई और लेयर्स बन जाती हैं।' हालांकि, 30,000 कर्मचारियों की छंटनी अमेजन के तीन दशक के इतिहास में सबसे बड़ी छंटनी होगी, इससे पहले 2022 में 27,000 कर्मचारियों की छंटनी हुई थी, लेकिन यह अमेजन के 15 लाख कर्मचारियों का एक छोटा सा हिस्सा ही होगा। रिपोर्टों के अनुसार, प्रभावित कर्मचारी 90 दिनों तक कंपनी के वेतनमान में बने रह सकते हैं, इस दौरान वे आंतरिक रूप से नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं या अन्य रोजगार तलाश सकते हैं। इस सप्ताह दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक में तकनीकी कंपनियों के प्रमुख व्यापार अधिकारियों ने कहा कि एआई मानव द्वारा की जाने वाली नौकरियों की जगह नहीं लेगी, हालांकि, कार्यों को स्वचालित करके काम करने के तरीके को बदल सकती है।

डाक विभाग का चालू वित्त वर्ष में 30 फीसदी राजस्व वृद्धि का लक्ष्य

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि डाक विभाग ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में राजस्व में 30 फीसदी वृद्धि हासिल करने का लक्ष्य रखा है। विभाग का लक्ष्य 17,546 करोड़ रुपये का है, जो पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के 13,240 करोड़ रुपये की तुलना में एक ही वर्ष में 30 फीसदी अधिक है।

सिंधिया ने यहां डाक विभाग की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) समीक्षा बैठक के बाद कहा कि छह में से पांच क्षेत्रों में राजस्व वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि अमेरिकी सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के कारण अंतरराष्ट्रीय डाक का राजस्व स्थिर रहा। उन्होंने कहा कि 2023-24 में विभाग का राजस्व 12,800 करोड़ रुपये था, जो 2024-25 में बढ़कर 13,240 करोड़ रुपये हुआ। यह मात्र तीन फीसदी की वृद्धि थी। अब

विभाग ने इसे दस गुना बढ़ाकर 30 फीसदी करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि फिलहाल डाक विभाग सरकार के लिए व्यय केंद्र है, लेकिन अगले चार से पांच वर्षों में इसे लाभ केंद्र बनाने का लक्ष्य है। पिछले वित्त वर्ष की तीन तिमाहियों में विभाग का कुल राजस्व 9,300 करोड़ रुपये था, जबकि इस वर्ष तीन तिमाहियों में यह बढ़कर 10,200 करोड़ रुपये हो गया है। यह नौ फीसदी की सकारात्मक वृद्धि है। डाक व्यवसाय में चौथी तिमाही में राजस्व का बड़ा हिस्सा आता है। पिछले वर्ष तीन तिमाहियों में 9,300 करोड़ रुपये का राजस्व था, लेकिन पूरे वर्ष का कुल 13,240 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह इस वर्ष भी चौथी तिमाही में बड़ी वृद्धि की उम्मीद है। सिंधिया ने कहा कि डाक पत्र सेवा का राजस्व लगभग स्थिर रहा है और 1,625 करोड़ रुपये पर बना हुआ है। अंतरराष्ट्रीय डाक पत्र सेवा में अमेरिकी बाजार से जुड़ी कठिनाइयों के कारण वृद्धि सीमित रही है। वहीं, एक अन्य में 12 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। नागरिक केंद्रित सुविधाओं में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

देश का पावर ट्रांसमिशन नेटवर्क 5 लाख सर्किट किलोमीटर से अधिक हुआ

एजेंसी

नई दिल्ली। देश का पावर ट्रांसमिशन नेटवर्क 5 लाख सर्किट किलोमीटर से अधिक हो गया। विश्व के सबसे बड़े सिंक्रोनस राष्ट्रीय ग्रिड ने यह उपलब्धि 14 जनवरी को हासिल की, जब राजस्थान नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र से नवीकरणीय ऊर्जा की निकासी के लिए भादला द्वितीय से सीकर द्वितीय सबस्टेशन तक 765 केवी की 628 सी.के.एम लंबी ट्रांसमिशन लाइन चालू की गई। इस ट्रांसमिशन लाइन के चालू होने से भादला, रामगढ़ और फतेहगढ़ सौर ऊर्जा परिसर के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र से अतिरिक्त 1100 मेगावाट बिजली की निकासी संभव हो सकेगी। विद्युत मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि अप्रैल, 2014 से देश के पारेषण नेटवर्क में 2.09 लाख सीकेएम (220 केवी और उससे ऊपर) पारेषण लाइनों के जुड़ने से 71.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिससे (220 केवी और उससे ऊपर) रूपांतरण क्षमता में 876 जीवीए की वृद्धि हुई है। अंतर-क्षेत्रीय विद्युत हस्तांतरण क्षमता, जो अब 1,20,340 मेगावाट है, ने क्षेत्रों के बीच बिजली के निर्बाध हस्तांतरण को सक्षम बनाया है, जिससे एक राष्ट्र-एक ग्रिड-एक आवृत्ति की परिकल्पना सफलतापूर्वक साकार हुई है। मंत्रालय के मुताबिक वर्तमान में कार्यान्वित हो रही अंतरराज्यीय पारेषण परियोजनाओं से लगभग 40 हजार सीकेएम ट्रांसमिशन लाइनें और 399 जीवीए की रूपांतरण क्षमता जुड़ जाएगी।

दावोस में नजर आया मध्य प्रदेश के औद्योगिक विकास की गति का सकारात्मक प्रभाव: मोहन यादव

एजेंसी

दावोस। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्विटजरलैंड के दावोस में कहा कि प्रदेश में पिछले दो वर्ष में जितनी तीव्र गति से औद्योगिक विकास हुआ है, उसका सकारात्मक प्रभाव दावोस में दिखाई दिया है। दावोस में विभिन्न क्षेत्रों के बड़े उद्योगपतियों और व्यापार प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठकें और चर्चा हुई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में विभिन्न इंटरशेनल कम्पनियों के साथ हुई बैठकों के बाद अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम-2026 में भारत का सबसे बड़ा दल पहुंचा है। आज भारत सभी क्षेत्रों में तेज गति से आगे बढ़ रहा है और बहुत जल्द चौथी सबसे सशक्त आर्थिक ताकत से एक से डेढ़ वर्ष में विश्व में तीसरा स्थान हासिल कर लेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बदलाव के इस दौर में मध्य प्रदेश में सोलर एनर्जी, आईटी, टूरिज्म सहित सभी सेक्टर्स में विकास की अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। प्रदेश सरकार के प्रयासों के सुखद परिणाम सामने आ रहे हैं। मध्य प्रदेश नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में देश का पावर हब बन चुका है। प्रदेश में पंप स्टोरेज, सोलर एनर्जी और विंड एनर्जी उत्पादन को बढ़ाया जा रहा है। ओंकारेश्वर में बांध के पानी पर सोलर प्लेट बिछाकर बिजली उत्पादन किया जा रहा है। राज्य में 32 लाख किसानों को बिजली के मामले में आत्मनिर्भर बनाने के लिए सोलर पंप बांटे जा रहे हैं। इसी का परिणाम है कि देश में नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से उत्पादित सबसे सस्ती बिजली मध्य प्रदेश उपलब्ध करवा रहा है। प्रदेश के इस मॉडल को समझने और अध्ययन करने के लिए लोग काफी उत्साहित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दावोस

इकोनॉमिक फोरम में मालदीव के मंत्री और अर्थशास्त्री डॉ. मोहम्मद सईद के साथ अलग-अलग विषयों पर चर्चा हुई। उद्योग क्षेत्र में साझेदारी के लिए डॉ. सईद ने बताया कि उनके देश में टूरिज्म के अलावा मत्स्य पालन, आईटी, हेल्थ जैसे अनेक क्षेत्रों में आगे बढ़ने की संभावनाएं हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मालदीव के राष्ट्रपति ने पूर्व में काफी ठोस निर्णय लिए हैं। मध्य प्रदेश सरकार मालदीव के साथ मिलकर आगे बढ़ने के लिए तैयार है। उन्होंने बताया कि आगामी समय में वे स्वयं मालदीव की यात्रा करेंगे और वहां विकास के लिए परस्पर साझेदारी की संभावनाओं को तलाशेंगे। मालदीव भी भारत के साथ मिलकर आगे बढ़ने में रुचि रखता है। मालदीव के स्थानीय लोगों और वहां रहने वाले भारतवंशियों के परस्पर बेहतर सांस्कृतिक संबंध हैं। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में एग्रीकल्चर पॉल्ट्री के क्षेत्र में बेहतर संभावनाएं हैं। भविष्य में इस दिशा में भी अन्य राज्यों के साथ व्यापार को आगे बढ़ाएंगे। मध्य प्रदेश के पास पर्याप्त लैंड बैंक है, पर्याप्त बिजली है। ट्रांसपोर्टेशन के मामले में भी हमारा राज्य, भारत के मध्य में स्थित होने के कारण अनुकूल है। अब कई क्षेत्रों के निवेशक मध्य प्रदेश का रुख कर रहे हैं। उद्योग एवं व्यापारिक गतिविधियां बढ़ाने के लिए एमओयू हस्ताक्षरित हुआ है। मध्य प्रदेश सबसे तेज गति से औद्योगिक विकास करने वाला राज्य बना है। देश के 3 प्रमुख राज्यों ने औद्योगिक गति को बढ़ाया है, उनमें मध्य प्रदेश सबसे युवा राज्य है। बीते 2 वर्ष में राज्य सरकार के इन प्रयासों से प्रदेश में बेरोजगारी दर एक प्रतिशत के आसपास आ गई है। प्रदेश के युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने के लिए हो रहे प्रयासों के सुखद परिणाम सामने आ रहे हैं।

अल्बानिया और बुल्गारिया होंगे ट्रंप के 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल

एजेंसी

तिराना। अल्बानियाई सांसदों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पहल 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होने के लिए सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। यह पहल वैश्विक संघर्षों को सुलझाने के उद्देश्य से शुरू की गई है। प्रधानमंत्री एदी रामा ने इसे 'सद्भावना का कार्य' और 'एक विशेष सम्मान' बताया, और कहा कि इस कदम से अल्बानिया की अंतरराष्ट्रीय मंच पर भूमिका मजबूत होगी। प्रस्ताव को 140 सांसदों में से 110 ने समर्थन दिया। रामा ने कहा कि इस पहल में शामिल होने से अल्बानिया वैश्विक कूटनीति की मेज पर बना रहेगा, और उन्होंने डावोस में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कैरनी के बयान का हवाला दिया। इस पहल में अल्बानिया के निकट सहयोगी कोसोवो ने भी भाग लिया, जिसने 2008 में अमेरिका के समर्थन से अपनी स्वतंत्रता हासिल की थी। वहीं, बुल्गारिया की कार्यवाहक सरकार ने भी इस संधि में शामिल होने का निर्णय लिया है, जिसे संसद अगले सप्ताह मंजूरी दे सकती है। बोर्ड ऑफ पीस में गाजा के लिए हाई रिप्रेजेंटेटिव के रूप में पूर्व संयुक्त राष्ट्र दूत निकोलाई मलेडनोव का चयन किया गया है। वर्तमान में यूरोपीय संघ के केवल बुल्गारिया और हंगरी ही इस पहल में शामिल सदस्य हैं।

भूमध्य सागर में रूसी 'शैडो फ्लीट' के टैंकर पर फ्रांसीसी नौसेना की कार्रवाई, जेलेंस्की ने की सराहना

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बताया है कि फ्रांसीसी नौसेना ने भूमध्य सागर में एक ऐसे तेल टैंकर को रोका है, जिस पर रूस के तथाकथित 'शैडो फ्लीट' का हिस्सा होने का संदेह है। यह कार्रवाई ऐसे समय सामने आई है, जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की यूरोप पर रूसी तेल टैंकरों के खिलाफ सख्त कदम न उठाने का आरोप लगा रहे थे। राष्ट्रपति मैक्रों ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए कहा कि संबंधित टैंकर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के दायरे में था और उसपर झंडा बदलकर (फॉल्स फ्लैग) संचालन करने का शक है। उनके अनुसार, यह अभियान भूमध्य सागर के खुले समुद्र में किया गया और इसमें फ्रांस के कई सहयोगी देशों का समर्थन भी शामिल रहा। राष्ट्रपति मैक्रों ने स्पष्ट किया कि पूरी कार्रवाई संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि (यूएनसीएलओएस) के तहत नियमों का पालन करते हुए की गई। इस मामले में अब न्यायिक जांच शुरू कर दी गई है और जहाज को दूसरे मार्ग पर मोड़ दिया गया है। फ्रांसीसी मीडिया एजेंसी के हवाले से स्थानीय समुद्री अधिकारियों ने बताया कि जिस तेल टैंकर को रोका गया, उसका नाम 'ग्रिंच' है और उसे स्पेन तथा मोरक्को के बीच के समुद्री क्षेत्र में पकड़ा गया।

ट्रंप का कनाडा को झटका: 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होने का न्यौता वापस लिया

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा को अपने नए बनाए गए बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने का दिया गया निमंत्रण वापस ले लिया है। यह कदम उत्तर अमेरिका के दोनों पड़ोसी देशों के बीच चल रही ताजा तनातनी के बीच उठाया गया है। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट के ज़रिए यह जानकारी दी। उन्होंने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को संबोधित करते हुए लिखा कि पीस बोर्ड ने कनाडा को भेजा गया अपना निमंत्रण वापस लेने का फ़ैसला किया है। हालांकि, पोस्ट में ट्रंप ने यह साफ नहीं किया कि उन्होंने कनाडा को दिया गया यह निमंत्रण क्यों रद्द किया। वापस लेने के पीछे की वजह को लेकर उन्होंने कोई कारण नहीं बताया। बता दें कि बुधवार को, ट्रंप ने दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में कहा था कि 'कनाडा अमेरिका की वजह से ज़िंदा है।' कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस दावे को खारिज कर दिया है कि कनाडा अपने अस्तित्व के लिए अमेरिका पर निर्भर है। कार्नी ने कहा, 'कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका ने एक शानदार साझेदारी बनाई है। अर्थव्यवस्था में, सुरक्षा में और समृद्ध सांस्कृतिक आदान-प्रदान में, लेकिन कनाडा अमेरिका की वजह से जिंदा नहीं है। कनाडा इसलिए आगे बढ़ रहा है क्योंकि हम कनाडाई हैं।

अमेरिकी धरती पर रामायण की गूंज : मैरीलैंड के प्रतिनिधियों ने देखी विशेष प्रदर्शनी

एनापोलिस। एशिया और उससे आगे रामायण के प्रसार पर आधारित एक दिवसीय प्रदर्शनी अमेरिका के मैरीलैंड स्टेट असेंबली बिल्डिंग में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में स्टेट लॉ मेकर, राजनयिक और समाज के कई प्रमुख लोग शामिल हुए। यह आयोजन एनापोलिस परिसर में हुआ, जहां बड़ी संख्या में लोग इसे देखने पहुंचे। कार्यक्रम में मैरीलैंड के कई प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखे। प्रतिनिधि वू चाओ ने कहा कि यह प्रदर्शनी दिखाती है कि संस्कृति कैसे अलग-अलग देशों और पृष्ठभूमियों के लोगों को जोड़ती है। उनके अनुसार ऐसी सांस्कृतिक पहल लोगों के बीच समझ बढ़ाती है और राजनीति में दिखने वाले मतभेदों को कम करने का काम करती है। चाओ ने कहा, 'यह एक ऐसी संस्कृति है जो लोगों को जोड़ती है और विविधता प्रदान करती है और वास्तव में विभिन्न पृष्ठभूमियों के बीच समझ को बढ़ाती है।' प्रतिनिधि हैरी भंडारी ने रामायण की नैतिक शिक्षाओं पर बात करते हुए कहा कि यह केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं है, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाला मार्गदर्शक है।

टिकटॉक ने अमेरिकी प्रतिबंध से बचने के लिए बीच का रास्ता का निकाला

एजेंसी

वाशिंगटन। सोशल मीडिया ऐप टिकटॉक ने अमेरिकी प्रतिबंध से बचने के लिए बीच का रास्ता निकाला है। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि चीन और अमेरिका ने इस ऐप के लिए एक डील पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। टिकटॉक पर दो साल पहले अमेरिका में संघीय कानून लागू होने के बाद प्रतिबंध लग गया था। 2024 में पास हुए इस द्विदलीय कानून में जरूरी था कि टिकटॉक की चीन की पैरेंट कंपनी बाइटडांस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के अमेरिकी ऑपरेशंस से संबंध तोड़ ले या यूएस ऐप स्टोर और वेब-होस्टिंग सेवाओं तक पहुंच खो दे। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार इस कानून को उच्चतम न्यायालय ने सर्वसम्मति से सही ठहराया था और इसके तहत 19 जनवरी, 2025 के बाद ऐप स्टोर

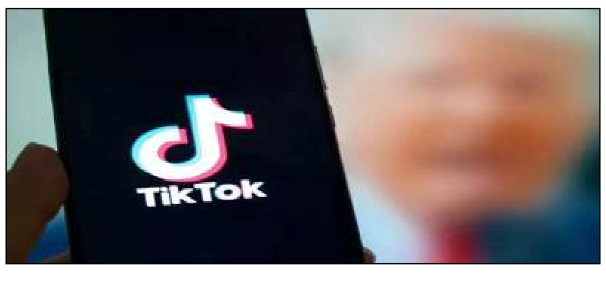

के लिए अपडेट या नए डाउनलोड देना गैरकानूनी हो गया था, लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कुछ महीनों में कार्यकारी आदेश जारी किए। इसमें न्याय विभाग को उन टेक कंपनियों को दंडित न करने का निर्देश दिया गया, जो अपने प्लेटफॉर्म पर टिकटॉक को होस्ट करती हैं। इस कारण प्रतिबंध के बावजूद ऐप अमेरिका में व्यापक रूप से उपलब्ध रहा। टिकटॉक ने पुष्टि की कि अमेरिकी यूजर्स के लिए ऐप के ऑपरेशंस को संभालने के लिए मुख्य रूप से यूएस आधारित निवेशकों से मिलकर एक संयुक्त वेंचर अधिकारिक तौर पर बनाया गया है। टिकटॉक ने गुरुवार देर रात एक बयान में कहा कि तीन फर्मों का एक समूह यूएस आधारित ओरेकल, सिल्वर लेक और अबूधाबी आधारित एमजीएक्स वेंचर के मैनेजिंग निवेशक के रूप में काम करेगा और कंपनी का कुल 45 हिस्सा हिस्सा उनके पास होगा। ओरेकल की सह-स्थापना लैरी एलिसन ने की थी। उनके बेटे डेविड एलिसन पैरामाउंट स्काईडांस के चेयरमैन और सीईओ हैं। स्काईडांस सीबीएस न्यूज की पैरेंट कंपनी है। एलिसन परिवार के पास पैरामाउंट स्काईडांस में नियंत्रण का अधिकार है। बाकी 35 प्रतिशत हिस्सेदारी आठ दूसरे निवेशकों के पास होगी। इनमें डेल के सीईओ माइकल डेल का ग्रुप शामिल है। बाइटडांस कंपनी 19.9 प्रतिशत हिस्सेदारी अपने पास रखेगी।

पूर्व प्रधानमंत्री बाबूराम भट्टराई से उम्मीदवारी वापस लेने का आग्रह

एजेंसी

काठमांडू। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (रास्वपा) ने आगामी प्रतिनिधि सभा निर्वाचन में गोरखा क्षेत्र संख्या 2 से उम्मीदवार बने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. बाबूराम भट्टराई से उम्मीदवारी वापस लेने के लिए आग्रह किया है। रास्वपा ने इस क्षेत्र से अपने महासचिव कविन्द्र बुर्लाकोटी को चुनावी मैदान में उतारा है। बुर्लाकोटी इसी क्षेत्र से पिछले निर्वाचन में भी उम्मीदवार थे, जहां वे नेकपा अध्यक्ष पुष्पकमल दाहाल 'प्रचंड' से पराजित हुए थे। इस बार प्रचंड ने निर्वाचन क्षेत्र बदल लिया है। इसी बीच रास्वपा के उपाध्यक्ष डॉ. स्वर्णिम वाग्ले ने भट्टराई से उम्मीदवार वापस लेने का अनुरोध किया है। वाग्ले ने कहा कि वे अपनी उम्मीदवारी वापस लेकर आगामी दिनों में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को राजकाज से जुड़े कामकाज में सहयोग करके अनुकरणीय देशभक्तिपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करें।वाग्ले ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री के रूप में वे राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को मार्गदर्शन देने की वरिष्ठ अभिभावकीय भूमिका निभा सकते हैं।

दो विदेशी नागरिकों ने नेपाल प्रतिनिधि सभा चुनाव से वापस लिया नामांकन

जेंसी

काठमांडू। नेपाल में 5 मार्च को होने वाले प्रतिनिधि सभा चुनाव में विदेशी नागरिकता रखने वाले दो उम्मीदवारों ने अपना नामांकन वापस ले लिया है। उम्मीदवारी वापस लेने के लिए शुक्रवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक का समय निर्धारित किया गया था। प्रतिनिधि सभा निर्वाचन के लिए राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (रास्वपा) की धादिङ-1 से उम्मीदवार आशिका तामांग ने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली है।

निर्वाचन अधिकृत एकराज अधिकारी ने जानकारी दी कि तामांग ने अपनी उम्मीदवारी वापस लेने के लिए फोन और ई-मेल के माध्यम से सूचना दी है। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधि सभा निर्वाचन अधिनियम की अनुसूची-22 के अंतर्गत फॉर्म भरकर उन्होंने ई-मेल किया था। ई-मेल में उन्होंने लिखा है, 'उम्मीदवारों की सूची में मेरा नाम भी शामिल होने के कारण वर्तमान में उक्त निर्वाचन में उम्मीदवार बनने की मेरी इच्छा नहीं है। अतः मैं प्रतिनिधि सभा निर्वाचन अधिनियम, 2074 की धारा 25 (1) के अनुसार स्वेच्छा से अपना नाम वापस लेने की सूचना देती हूं। ' इसी तरह रुपन्देही-2 से प्रतिनिधि सभा निर्वाचन के लिए उम्मीदवार बनी राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (राप्रपा) की कर्विका थापा ने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली है। उन्होंने एक बयान में बताया कि नेपाल के संविधान की धारा 291 के अनुसार विदेश में रहते हुए प्राप्त स्थायी आवास अनुमति (पीआर) को त्याग करने के कम से कम तीन

महीने पूरे होने के बाद ही किसी व्यक्ति को उम्मीदवार बनने का अधिकार है। यह अवधि पूरी नहीं हुई थी, इसलिए उन्होंने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली।

ऑस्ट्रेलिया में जंगल की आग ने मचाया तांडव, लोगों को शहर छोड़ने का आदेश, सड़कें भी हुई बंद

एजेंसी

सिडनी। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के दक्षिण में लगी बड़ी जंगल की आग का असर अब आवाजाही पर भी हो रहा है। आग की वजह से इलाके में सड़कें बंद कर दी गई हैं। इसके साथ ही आस-पास के शहरों को खाली करने के आदेश दिए गए हैं। हालात का आकलन करते हुए इसकी तैयारी पहले ही कर ली गई थी। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के डिपार्टमेंट ऑफ फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज (डीएफईएस) ने शुक्रवार सुबह जारी एक अलर्ट जारी कर कहा कि राज्य के दक्षिणी कोस्ट पर पर्थ से 420 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में फिट्जगेराल्ड रिवर नेशनल पार्क में लगी आग से जान और घरों को खतरा है। लगभग 2,000 की आबादी वाले रेवेन्सथोर्प सहित आस-पास के कई शहरों के रहने वालों और आने-जाने वालों को आदेश दिया गया है कि अगर रास्ता साफ है तो वे वहां से निकल जाएं। डीएफईएस के अलर्ट में कहा गया, 'आप खतरे में हैं और बचने के लिए तुरंत एक्शन लेने की जरूरत है।' इसके साथ ही जो लोग रुकना चाहते हैं, उन्हें बहुत ज्यादा गर्मी के खतरे की वजह से घर के अंदर रहने की सलाह दी गई है। यह आग 16 जनवरी को नेशनल पार्क में बिजली गिरने से लगी थी और शुक्रवार सुबह तक 60,000 हेक्टेयर से ज्यादा जमीन जल चुकी थी। रेवेन्सथोर्प के पश्चिम में एक मेन हाईवे बंद कर दिया गया है, और उत्तर में न्यूडेगेट शहर में एक इवैक्यूएशन सेंटर खोला गया है। फिट्जगेराल्ड रिवर नेशनल पार्क की झाड़ियों में लगी आग शुक्रवार सुबह दक्षिण-पश्चिम ऑस्ट्रेलिया में लगी चार बड़ी आग में से एक थी। पर्थ से करीब 120 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में बसे चार छोटे शहरों के करीब 1,500 लोगों को खाली करने के आदेश जारी किए गए हैं। जंगल में लगी आग बेकाबू होकर उत्तर-पूर्व दिशा में बढ़ रही है। इसी वजह से लोगों को इन शहरों को खाली करने के लिए कहा

गया है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने बताया कि फिट्जगेराल्ड रिवर नेशनल पार्क से 60 किलोमीटर उत्तर में डन रॉक नेचर रिजर्व और नेशनल पार्क से 130 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में ग्रीन रेंज नाम के छोटे से शहर के पास आग लगने की वजह से कम लेवल की इमरजेंसी वॉर्निंग जारी की गई है। दोनों आग की चेतावनी वाले क्षेत्र में रहने वाले लोगों से कहा गया है कि वे हालात पर नजर रखें और तुरंत वहां से निकलने के बारे में सोचें।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. बाबूराम भट्टराई ने प्रतिनिधि सभा निर्वाचन से उम्मीदवारी वापस ली

एजेंसी

काठमांडू। प्रगतिशील लोकतांत्रिक पार्टी के संरक्षक तथा पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. बाबुराम भट्टराई ने गोरखा निर्वाचन क्षेत्र संख्या 2 से दी गई अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली है। आगामी 5 मार्च को होने वाले प्रतिनिधि सभा निर्वाचन के लिए मनोनयन दायर करने के कुछ ही समय बाद उन्होंने अपना निर्णय बदलते हुए उम्मीदवारी वापस लेने की घोषणा की। भट्टराई ने बताया कि विभिन्न राजनीतिक दलों, शुभचिंतकों और मित्रों से उन्हें चुनाव न लड़ने का सुझाव मिला था। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी एक दल के सांसद बनकर उनकी भूमिका सीमित हो जाती, जबकि वर्तमान तरल राजनीतिक परिस्थिति में सभी के साझा अभिभावक की भूमिका निभाना अधिक उपयुक्त होगा। इसी सुझाव को स्वीकार करते हुए उन्होंने उम्मीदवारी वापस ली है। उन्होंने कहा कि अब वे संसद से बाहर रहकर ही

राजनीतिक दलों को परामर्श, सुझाव और मार्गदर्शन देंगे।

शुरुआत में चुनाव न लड़ने और किसी कार्यकारी भूमिका में न रहने की घोषणा कर चुके भट्टराई ने देश में व्याप्त अनिश्चितता, भू-राजनीतिक चुनौतियों और संविधान की त्रुटियों को सुधारने के लिए संसद में अपनी उपस्थिति आवश्यक समझकर मनोनयन दायर किया था। भट्टराई ने सितंबर में हुए 'जेन-जी विद्रोह' को अपने द्वारा उठाए जा रहे सुशासन और समृद्धि के मुद्दों की पुष्टि करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि 70 वर्ष की आयु पूरी कर लेने के बाद अब नई पीढ़ी को नेतृत्व सौंपना चाहिए और स्वयं को अभिभावकीय भूमिका तक सीमित रखना चाहिए। उन्होंने अपनी पार्टी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (रास्वपा), उज्यालो नेपाल पार्टी सहित नए दलों और पुराने दलों के भीतर अग्रगामी सोच रखने वालों को निस्वार्थ सहयोग देने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की। भट्टराई ने शांति प्रक्रिया के शेष कार्यों, सत्य निरूपण एवं मेलमिलाप तथा बेपत्ता आयोग से जुड़े विषयों को टुंगो तक पहुँचाने के लिए संसद से बाहर रहकर भी दबाव और सहयोग जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया। उम्मीदवारी वापस लेते हुए उन्होंने उन्हें समर्थन देने और सुझाव देने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

नेपाली सेना ने काठमांडू के हनुमानढोका दरबार में मनाया वसंत पंचमी पर्व

एजेंसी

काठमांडू। नेपाली सेना की ओर से माघ शुक्ल पंचमी को मनाया जाने वाला श्रीपंचमी पर्व आज ज्ञान की देवी सरस्वती की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना के साथ श्रद्धापूर्वक मनाया जा रहा है। काठमांडू के हनुमानढोका दरबार में

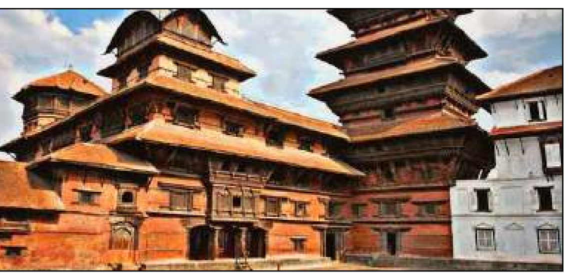

परंपरागत वसन्त श्रवण समारोह का आयोजन किया गया। राजतंत्र के समय यह समारोह राजाओं की उपस्थिति में होता था, जबकि लोकतांत्रिक गणराज्य की स्थापना के बाद राष्ट्राध्यक्ष के रूप में राष्ट्रपति की उपस्थिति में यह परंपरा जारी है। इस वर्ष इस समारोह में राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल, प्रधानमंत्री सुशीला कार्की, राष्ट्रिय सभा अध्यक्ष नारायण दाहाल तथा अन्य मंत्रीगण उपस्थित रहे।श्रीमद् भागवत पुराण के अनुसार बसन्त श्रवण का अर्थ है वसंत ऋतु में गाए जाने वाले गीतों को सुनना। यह परंपरा भगवान श्रीकृष्ण की खोज में राधा और गोपियों द्वारा गाए गए गीतों से जुड़ी मानी जाती है। वसंत के आगमन का उत्सव मनाने वाले ये गीत बसन्त राग शैली में प्रस्तुत किए जाते हैं।

नेपाल निर्वाचन आयोग ने नागरिक उन्मुक्ति पार्टी के अध्यक्ष रेशम चौधरी की उम्मीदवारी रद्द की

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की नागरिक उन्मुक्ति पार्टी (एनयूपी) के संरक्षक रेशम चौधरी की उम्मीदवारी रद्द कर दी गई है। चौधरी ने कैलाली निर्वाचन क्षेत्र संख्या 1 से अपना नामांकन दायर किया था। निर्वाचन आयोग के आदेश में कहा गया है कि यह मनोनयन प्रचलित कानून के अनुसार वैध प्रतीत नहीं होता, इसलिए इसे अयोग्य घोषित किया जाता है। कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए। उम्मीदवारी अयोग्य ठहराने के लिए तीन मुख्य आधार लिए गए हैं, जिसमें पाया गया है कि सर्वोच्च न्यायालय से उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। प्रतिनिधि सभा सदस्य निर्वाचन अधिनियम के अनुसार आजीवन कारावास की सजा पाए व्यक्ति को उम्मीदवार बनने से अयोग्य माना जाता है। इसके अतिरिक्त निर्वाचन आयोग के उस

पूर्व निर्णय को भी आधार बनाया गया है, जिसमें उन्हें किसी राजनीतिक दल का सदस्य बनने से भी अयोग्य ठहराया गया था। इस मामले में यह देखा गया कि भले ही उन्हें राष्ट्रपति क्षमादान मिला हो, लेकिन सजा की प्रकृति यथावत बनी रही। टीकापुर हत्याकांड से जुड़े मामले में चौधरी को तत्कालीन सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति की ओर से क्षमादान दिया गया था। हालांकि, प्रतिनिधि सभा निर्वाचन अधिनियम के अनुसार आजीवन कारावास की सजा पाए व्यक्ति को किसी भी निर्वाचन में उम्मीदवार बनने की अनुमति नहीं है। दरअसल, 2015 के मधेश आंदोलन के दौरान टीकापुर में प्रदर्शनकारियों ने सशस्त्र प्रहरी बल के एसएसपी सहित आठ पुलिस वालों की पीट-पीट कर हत्या कर दी थी, जिसमें रेशम चौधरी को मुख्य दोषी करार देते हुए उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। 2022 के पिछले आम निर्वाचन में चौधरी बर्दिया-2 से उम्मीदवार थे। उस समय वे जेल में ही थे और उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी गई थी। इसके बाद उनके पिता लालबीर चौधरी बर्दिया-2 से स्वतंत्र उम्मीदवार बने थे। बाद में वे नागरिक उन्मुक्ति पार्टी में शामिल हो गए। वर्तमान में लालबीर उसी पार्टी में हैं। निर्वाचन आयोग में कुल पांच उम्मीदवारों के खिलाफ शिकायतें दर्ज की गई थीं, जिनमें से तीन को पहले ही खारिज कर दिया गया है। भक्तपुर निर्वाचन क्षेत्र संख्या 2 से रास्वपा उम्मीदवार राजीव खत्री तथा नेपाल जनसेवा पार्टी की जनुका पाठक के खिलाफ दर्ज शिकायतें अभी खारिज नहीं की गई हैं। पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल के खिलाफ भी शिकायत दर्ज की गई थी, जिसे अब खारिज कर दिया गया है। नेपाल ने रौतहट निर्वाचन क्षेत्र संख्या 1 से अपना मनोनयन दायर किया था। सुनसरी निर्वाचन क्षेत्र संख्या 2 से उम्मीदवार लाल बिक्रम थापा के खिलाफ शिकायत पर निर्वाचन आयोग में अभी चर्चा जारी है।

कराची शॉपिंग प्लाजा अग्निकांड के 67 मृतकों में से 16 की हुई पहचान

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के कराची स्थित गुल शॉपिंग प्लाजा के अग्निकांड में मारे गए 67 लोगों में से 16 की पहचान हो सकी है। सभी का पोस्टमार्टम पूरा हो चुका है। सिंध के गवर्नर ने घटना की जिम्मेदारी तय करने के लिए गुल प्लाजा त्रासदी की न्यायिक जांच कराने मांग की है। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार कराची पुलिस सर्जन डॉ. सामिया सैयद ने कहा कि प्लाजा से बरामद 67 शवों का पोस्टमार्टम पूरा हो गया है। अब तक 16 मृतकों की ही पहचान हो चुकी है। डॉ. सामिया सैयद ने बताया कि प्लाजा से बरामद छह शवों की पहचान हो गई थी, जबकि आठ पीड़ितों की पहचान डीएनए से हुई। एक शव की पहचान राष्ट्रीय पहचान पत्र से हुई, जबकि दूसरे की पहचान गले में पहने

लॉकेट से हुई। वरिष्ठ दमकल अधिकारी जफर खान ने बताया कि प्लाजा के भूतल में फिर से आग लग गई थी, लेकिन उसे सफलतापूर्वक बुझा दिया गया। उन्होंने कहा कि छत पर लगे डीजल टैंक को हटाने की प्रक्रिया के दौरान उसमें आग लग गई, जिसे तुरंत नियंत्रित कर लिया गया। खान ने कहा कि बिल्डिंग का ढांचा बहुत कमजोर हो गया है। अब सिर्फ सर्च ऑपरेशन चल रहा है। मलबे से कोई भी साबुत शव नहीं मिल रहा है।

गूगल और मेटा से विवादित विज्ञापन हटाने की मांग, अमेरिकी सांसदों ने उठाए सवाल

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के दो वरिष्ठ डेमोक्रेट लॉमेकर्स ने टेक दिग्गज कंपनी मेटा और गूगल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सांसदों का कहना है कि अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) और उसकी एजेंसी इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) इन प्लेटफॉर्म्स पर ऐसे विज्ञापन चला रही है, जिनमें श्वेत राष्ट्रवादी विचारधारा और भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है। हाउस ज्यूडिशियरी कमेटी की उपाध्यक्ष बेका बैलिंट और इमिग्रेशन प्रवर्तन की निगरानी करने वाली उपसमिति की प्रमुख, भारतीय मूल की सांसद प्रमिला जयपाल ने मेटा और गूगल के सीईओ को अलग-अलग पत्र भेजे हैं। इन पत्रों में उन्होंने मांग की है कि डीएचएस के साथ डिजिटल विज्ञापन से जुड़ी सभी साझेदारियां तुरंत खत्म की जाएं और यह बताया जाए कि कंपनियों के बीच समझौते का दायरा और अवधि क्या है। सांसदों का कहना है कि आईसीई इन विज्ञापनों का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर भर्ती अभियान के लिए कर रही है। इसके तहत मिनियापोलिस, शिकागो, पोर्टलैंड और न्यू ऑरलियन्स जैसे शहरों में हजारों नए अधिकारियों को तैनात करने की योजना है। आरोप है कि इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए भर्ती मानकों में भी ढील दी गई है। पत्रों में दावा किया गया है कि आईसीई ने ऐसे विज्ञापन चलाए हैं, जिनमें 'श्वेत राष्ट्रवादी प्रेरित प्रचार' की झलक मिलती है।

पीएम ताकाइची ने भंग की जापान की संसद, 8 फरवरी को होगा मध्यावधि चुनाव

एजेंसी

टोक्यो। जापान में 8 फरवरी को मध्यावधि चुनाव होने वाला है। उससे पहले जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने शुक्रवार को हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स को भंग कर दिया। जापान के क्योडो न्यूज ने बताया कि आम पार्लियामेंट्री सेशन की शुरुआत में संसद को भंग करने के बाद अब राजनीतिक दलों के पास चुनावी अभियान शुरू करने का समय है। सत्ता पक्ष और विपक्ष ने आगामी चुनाव के लिए महंगाई को मुद्दा बनाया है। दोनों पक्षों ने महंगाई से जूझ रहे परिवारों को राहत देने के लिए खाने की चीजों पर कंजम्प्शन टैक्स हटाने का प्रस्ताव दिया है। शुक्रवार को, पीएम ताकाइची की कैबिनेट ने 465 सदस्य वाले संसद को भंग करने के प्लान को मंजूरी दे दी। खास बात यह है कि जापान में प्रधानमंत्री लोअर हाउस को भंग कर सकते हैं, लेकिन यह पहली बार है कि छह दशकों में किसी रेगुलर सेशन की शुरुआत में लोअर हाउस भंग किया गया है।

पीएम ताकाइची ने जोर देकर कहा है कि उन्होंने चुनाव कराने का फैसला इसलिए किया है क्योंकि उन्हें अभी तक अपने प्रीमियरशिप यानी कि प्रधानमंत्री पद के लिए लोगों का समर्थन नहीं मिला है। ताकाइची पिछले साल अक्टूबर 2025 में जापान की पीएम बनी थीं। सत्तापक्ष ने खाने की चीजों पर कंजम्प्शन टैक्स को सस्पेंड करने का

प्रस्ताव दिया, जबकि विपक्षी गठबंधन ने ऐसे सभी प्रोडक्ट्स पर कंजम्प्शन टैक्स खत्म करने का प्रस्ताव दिया है। हाल के सालों में लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) पर हुए स्लश फंड स्कैंडल के बाद राजनीति और पैसों ने सबका ध्यान खींचा है। ऐसे में राजनीति और पैसा चुनावी मुद्दा होगा। इसके अलावा, विदेशी निवासियों और पर्यटकों से जुड़े मामले भी चुनावी मुद्दा हो सकते हैं।

खास बात यह है कि ताकाइची की कैबिनेट की सपोर्ट रेटिंग बहुत ज्यादा है। हालांकि, निचले सदन में सत्तापक्ष के पास बहुमत कम है और हाउस ऑफ काउंसिलर्स में माइनॉरिटी है। इसका मतलब यह है कि जापान की संसद में किसी भी बिल को पास करने के लिए सत्तापक्ष को विपक्षी दलों के समर्थन की जरूरत है। विपक्षी दलों ने सनाए ताकाइची की आलोचना करते हुए कहा कि वे अप्रैल से शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष 2026 के लिए शुरुआती बजट पास करने से पहले चुनाव करवा रही हैं। विपक्ष ने ताकाइची पर राजनीतिक मुद्दों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया है।

बता दें, ताकाइची ने 1993 में एक निर्दलीय के तौर पर निचले सदन में सीट जीतने के बाद जापान की राजनीति में एंट्री ली थी। वह 1996 में जापान की एलपीडी में शामिल हुईं और पूर्व पीएम शिंजो आबे के नेतृत्व में पहली बार कैबिनेट में शामिल हुईं। उन्होंने ओकिनावा और उत्तरी क्षेत्र के मामलों के लिए मिनिस्टर ऑफ स्टेट की जिम्मेदारी संभाली। बाद में, वह एलपीडी की पॉलिसी रिसर्च काउंसिल की चेयरपर्सन बनने वाली पहली महिला बनीं। 2022 से 2024 तक, ताकाइची जापान की आर्थिक सुरक्षा मंत्री थीं। सबसे लंबे समय तक इंटरनल अफेयर्स मिनिस्टर रहने का रिकॉर्ड भी उनके नाम है। ताकाइची ने कई बार इस पद की जिम्मेदारी संभाली है। उन्हें 185 वोट मिलने के बाद एलडीपी का नेता चुना गया। जापान की पीएम ने शिंजिरो कोइजुमी को हराया था। 2024 में शिंजिरो कोइजुमी एलडीपी के नेतृत्व के लिए हुए चुनाव में प्रमुख दावेदार रहे।

page 1 and 8 jan 24_page 1 Mar 25 final ds.qxd 1/23/2026 10:18 PM Page 2

पशुपालन एक उभरता हुआ व्यवसाय

आज के समय में पशुपालन एक बहुत ही उभरता हुआ व्यवसाय है। पशुपालन भी कृषि व्यवसाय की एक शाखा है जिसमे कई प्रकार के पशुओं को उनके दूध, अंडे व अन्य उत्पादों के लिए पाला जाता है। पशु पालन के लिए आप को पशु पालन की जानकारी होना अति-आवश्यक है। यहाँ पर आप जानेंगे कुछ टिप्स जिनसे आप पशुपालन जैसे की भैंस, मुर्गी, भेड़, बकरी पालन आदि अच्छे से कर सकें व अधिक मुनाफा कमा सकें। ख़ास तौर पर भैंस और बकरी पालन के व्यवसाय में, जहाँ आपको पशु का दूध व माँस बेच कर मुनाफा होता है। आपको अपने पशु की नस्ल का चुनाव काफ़ी ध्यान से करना चाहिए। हर नस्ल का पशु अच्छा एवं ज्यादा दूध नहीं दे सकता। इसलिए आप पशु की नस्ल चुनते समय सावधानी बरतें। अपने पशु को अच्छे पोषण वाला आहार ही दें। अगर आप भी पशु पालन व्यवसाय से जुड़ने का मन बना रहे हैं तो आपको यह बात समझनी चाहिए की यदि आप अपने पशुओं को अच्छा चारा व दाना पानी देते हैं तो उससे न केवल उनकी सेहत अच्छी रहती है बल्कि पशु की उत्पादक क्षमता भी कई गुना बढ़ जाती है। पशु पालन करते समय आप अपने पशु को सही मात्रा में पोषण वाला आहार ही खिलाएं जिस से आपके पशु का स्वस्थ्य भी अच्छा रहेगा और आपको मुनाफा भी अधिक प्राप्त होगा।

पशु का आवास जितना अधिक स्वच्छ होगा उतना ही आपके पशु को बीमारी का खतरा कम रहता है। पशुओं को नियमित रूप से नहलाएँ और उनके आवास के लिए किसी ऊँची जगह का चयन करें जिस से बारिश एवं नालिओं का पानी, मल-मूत्र इत्यादि से वह बाहर रह सकें। आपके पशु के आवास में कम से कम दो से तीन जगह से अच्छी धुप आनी चाहिए। आवास में धुप के आने से न केवल वहाँ के कीटाणु मरते हैं बल्कि आपके पशु का स्वास्थ भी अच्छा रहता है।

पशु आवास में पशु के लिए पानी एवं खाने की उपलब्धता का भी ध्यान रखना बहुत आवश्यक है। डेरी के कामो में वैसे भी पानी की काफी जरूरत होती है और ख़ास तौर पे गर्मी के मौसम में आपको पशु के लिए पानी उचित मात्रा में जरूर रखना चाहिए।

पशु पालन में अपने पशु के स्वस्थ्य का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। पशु पालन में सबसे जरूरी बात यह होती है के आप अपने पशु को सही समय आने पर उसे सभी आवश्यक टीके लगवाएं, उसको लू लगने से बचाएं, चारा पर्याप्त मात्रा में दे ताकि उसका स्वास्थ ठीक बना रहे।

अगर आपका पशु कभी बीमार होता है, या आपको वह कुछ सुस्त दिखाई देता है तो तुरंत उसे जानवरों के डॉक्टर को दिखायें। ऐसा हो सकता है की उसकी तबियत ज्यादा खराब हो। कभी भी जानवर के बीमार होने पर खुद उसका इलाज करने की कोशिश न करें, यह आपके पशु के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। अपने पशु को बेचने के लिए सही समय आने का इंतजार करें। अच्छी नस्ल वाले पशु को सही समय आने पर काफ़ी अच्छे दामों में बेचा जा सकता है। जैसे की अगर आप बकरी पालन करते हैं तो बकरीद के समय पे अपनी बकरी को अच्छे मुनाफे पर बेच भी सकते हैं। अगर आप बाजार में पशु का दूध बेचना चाहते हैं तो आपको काफ़ी अच्छा मुनाफा हो सकता है। पर अगर आप अपने पशु उत्पाद में पानी या किसी और चीज़ की मिलावट करेंगे तो वह आपके व्यवसाय के लिए हानिकारक हो सकता हैं। पशु उत्पादों में मिलावट करने से आपका मुनाफा तो बढ़ जाता है लेकिन मिलावट करने पर आपके ग्राहक आपके उत्पादों को नापसंद करने लगेंगे व आपके खिलाफ शिकायत भी हो सकती है। अगर आप सघन पशुपालन या आशय पशुपालन करना चाहते हैं तोह आपको अपने स्वस्थ का भी उचित ध्यान रखना पड़ेगा वर्ण आप जानवरों से होने वाले रोगों के शिकार बन सकते हैं। टीबी ऐसे रोगों में से एक उदाहरण हैं। जानवरों के मल में पैदा होने वाले बैक्टीरिया और उनमे बैठने वाली मक्खियां आपको बहुत बीमार कर सकती हैं। सरकार की तरफ से कृषि उद्धार के लिए किसान हेल्प लाइन जैसी कई सेवाएं शुरू की गयी हैं। आप इन सेवाओं का लाभ आप अपनी भाषा में मुफ्त उठा सकते हैं। यह सुविधा 24×7 चालु रहती है तो कभी अगर आपको पशु पालन से सम्बंधित कोई भी परेशानी हो तो देर किये बिना किसान हेल्प लाइन पे कॉल लगाएं। किसान हेल्प लाइन नंबर है 1551 या 1800-180-1551. पशुओं से अधिकतम दुग्ध उत्पादन प्राप्त करने के लिए उन्हें प्रर्याप्त मात्रा में पौष्टिक चारे की आवश्यकता होती है। इन चारों को पशुपालक या तो स्वयं उगाता हैं या फिर कहीं और से खरीद कर लाता है। चारे को अधिकांशत¨ हरी अवस्था में पशुओं को खिलाया जाता है तथा इसकी अतिरिक्त मात्रा को सुखाकर भविष्य में प्रयोग करने के लिए भंडारण कर लिया जाता है। ताकि चारे की कमी के समय उसका प्रयोग पशुओं को खिलाने के लिए किया जा सके। इस तरह से भंडारण करने से उसमें पोषक तत्व बहुत कम रह जाते है। इसी चारे का भंडारण यदि वैज्ञानिक तरीके से किया जाए तो उसकी पौष्टिकता में कोई कमी नहीं आती तथा कुछ ख़ास तरीकों से इस चारे को उपचारित करके रखने से उसकी पौष्टिकता को काफी हद तक बढ़ाया भी जा सकता है। चारों को भंडारण करने की निम्न विधियाँ है। हे बनाने के लिए हरे चारे या घास को इतना सुखाया जाता है जिससे की उसमें नमी की मात्रा 15-20 प्रतिशत तक ही रह जाए। इससे पादप कोशिकाओं तथा जीवाणुओं की एन्जाइम क्रिया रुक जाती है लेकिन इससे चारे की पौष्टिकता में कमी नहीं आती, हे बनाने के लिए लोबिया, बरसीम, रिजका, लेग्यूम्स तथा ज्वार, नेपियर, जवी, बाजरा, ज्वार, मक्की, गिन्नी अंजन आदि घासों का प्रयोग किया जाता है लेग्यूम्स घासों में सुपाच्य तत्व अधिक होते हैं तथा इसमें प्रोटीन व विटामिन ए डी व ई भी पर्याप्त मात्रा में पाए जाते है। दुग्ध उत्पादन के लिए ये फसलें बहुत उपयुक्त होती हैं। हे बनाने के लिए चारा सुखाने हेतु निम्नलिखित तीन विधियों में से कोई भी विधि अपनाई जा सकती है। जब चारे की फसल फुल आने वाली अवस्था में होती है तो उसे काटकर परतों में पूरे खेत में फैला देते हैं तथा बीच-बीच में उसे पलटते रहते हैं जब तक की उसमें पानी की मात्रा लगभग 15त्न तक न रह जाए। इसके बाद इसे इकट्ठा कर लिया जाता है तथा ऐसे स्थान पर जहां वर्षा का पानी न आ सके इसका भंडारण कर लिया जाता है। इसमें चारे को काटकर 24 घंटों तक खेत में पड़ा रहने देते हैं इसके बाद इसे छोटी-छोटी ढेरियों अथवा गट्ठरों में बाँध कर पूरे खेत में फैला देते हैं। इन गट्ठरों को बीच-बीच में पलटते रहते हैं जिससे नमी की मात्रा घट कर लगभग 18त्न तक हो जाए। जहां भूमि अधिक गीली रहती हो अथवा जहां वर्षा अधिक होती हो ऐसे स्थानों पर खेतों में तिपाइयां गाढ़कर चारे की फसलों को उन पर फैला देते हैं इस प्रकार वे भूमि के बिना संपर्क में आए हवा व धूप से सूख जाती है कई स्थानों पर घरों की छत पर भी घासों को सुखा कर हे बनाया जाता है। सूखे चारे जैसे भूसा तुड़ीपुराल आदि में पौष्टिक तत्व लिगनिन के अंदर जकड़े रहते है जोकि पशु के पाचन तन्त्र द्वारा नहीं किए जा सकते इन चारों को कुछ रासायनिक पदार्थो द्वारा उपचार करके इनके पोषक तत्वों को लिगनिन से अलग कर लिया जाता है इसके लिए यूरिया उपचार की विधि सबसे सस्ती तथा उत्तम है।

पॉलीहाउस तकनीक से बेमौसमी सब्जियों की खेती

पॉलीहाउस तकनीक से खुले वातावरण की अपेक्षा उच्च गुणवत्तायुक्त एवं ज्यादा मात्रा में किसान विभिन्न प्रकार की सब्जियों का उत्पादन कर सकते है। बदलते मौसम के कारण सब्जियों की पैदावार व् गुणवत्ता पर प्रभाव पड रहा है जिसके कारण किसानों को खुले वातावरण में पैदा की गई सब्जियों से अधिक लाभ प्राप्त नहीं हो पता है। वर्षा ऋतू में एवं ग्रीष्म ऋतू में खुले में उगाई गई सब्जियों पर बीमारियों व कीटों में विशेषकर विष्णु रोग फैलाने वाले कीटों का प्रकोप अधिक होता है।

गुणवत्तायुक्त एवं बेमौसमी सब्जी उत्पादन के लिए पॉलीहाउस तकनीक एक वरदान

पॉलीहाउस एक घर नुमा ढांचा होता है जो यूवी. प्रतिरोधी पॉलीथिन की शीट से ढका होता है। इन पॉलीहाउस में कुछ चयनित ग्रीष्मकालीन बेमौसमी सब्जियों व उनकी चयनित केवल संकर किस्मों से अधिक अच्छी गुणवत्ता की पैदावार संभव है।

निचले एवं मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में पॉलीहाउस में उगाई जाने वाली केवल तीन ही बेमौसमी फसलें है - शिमला मिर्च, टमाटर और पार्थिनोकार्पिक खीरा है।

अधिकतर ग्रीष्मकालीन पॉलीहाउस में उगाई जाने वाली सब्जियों के लिए औसत तापमान 18-25 डिग्री सेल्सियस चाहिए जो की इन क्षेत्रों में खुले वातावरण में अधिक समय तक नहीं रहता है। अत: ऐसे क्षेत्रों में पॉलीहाउस में सब्जियां उगना व्यवहारिक एवं लाभप्रद है।

पॉलीहाउस में सब्जियों की सफल खेती हेतु निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए।

मध्य पर्वतीय क्षेत्रों के किसान पतझड़-सहित व बसंत ऋतु में बेमौसमी धनियां, हरी पत्तेदार सब्जियां तथा मटर इत्यादि को केवल पॉलीहाउस में पूर्ण रूप से लगभग सारा साल उगा सकते है, लेकिन इस बात का किसान ध्यान रखें की इन

फसलों से उन्हें आमदनी केवल बेमौसम उत्पादन से ही संभव है।

पॉलीहाउस में केवल अनियमित बढ़वार वाली संकर किस्में व रोग प्रतिरोधी किस्मे ही लगाएं तथा शीर्चनोचन एवं काट-छांट पर विशेष ध्यान दे।

पॉलीहाउस के अंदर एवं बहार सफाई का विशेष ध्यान रखें तथा एवं दरवाजा हमेशा बंद रखें।

ड्रिप-सिंचाई विधि द्वारा तथा फर्टिगेशन (खाद+पानी) का विशेष ध्यान रखें तथा उपयुक्त समय पर सिंचाई व तरल खाद फल बनने के बाद देते रहें।

दोहरा दरवाजा, किनारे व ऊपर मलमल के जाले (40-50 मैश) का प्रयोग करे तथा पॉलीहाउस के ऊपर रोलिंग टाइप के हरे छायादार जले 50% का उपयोग अप्रेल से सितंबर तक आवश्यकतानुसार 11 बजे (सुबह) से 3 बजे (शाम) तक करें। ध्यान रखें पॉलीहाउस में दिन का तापमान 25 डिग्री सेंटीग्रेड से उपन न जायें।

परिवर्तित प्राकृतिक हवादार पॉलीहाउस प्राय: बेमौसमी सब्जियों जैसे मिर्च, टमाटर एवं खीरे की व्यापारिक खेती के लिए उपयुक्त है।

निचले एवं मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में पॉलीहाउस में उगाई जाने वाली केवल तीन ही बेमौसमी फसलें है - शिमला मिर्च, टमाटर और पार्थिनोकार्पिक खीरा है।

सर्दियों में गर्मी

पॉलीहाउस में सर्दियों में भी बाहर की अपेक्षा अधिक गर्मी रहती है। इसलिए इसे सर्दी की ऋतु में भी गर्मी की फसलों जैसे शिमला मिर्च, टमाटर और खीरा इत्यादि उगाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

देश के पर्वतीय क्षेत्रों में पॉलीहाउस को गर्मियों में ठंडा रखने में कम लागत आती है तथा इन क्षेत्रों में सब्जी की बेमौसमी निरंतर उपलब्धता एवं उच्च गुणवत्ता हेतु प्राकृतिक हवादार पॉलीहाउस विशेष रूप से उपयोगी है।

गर्मियों में ठंडा

फसलों पर प्रतिकूल मौसम के कुप्रभाव को दूर करने के उपाय

सी एम शर्मा

किसी स्थान का मौसम असल में उस स्थान के तापमान, बादलों की दशा, हवा में नमी आदि से सम्बंधित है। मौसम का सम्बन्ध हमारे वातावरण में रोजाना होने वाले बदलावों से है।

ये मौसम सब जगहों पर एक जैसा नहीं रहता। किसी एक जगह पर मौसम गर्म और तेज़ धूप वाला हो सकता है वहीं उसी समय किस दूसरी जगह ठंडी हवाओं और बर्फबारी वाला मौसम हो सकता है। वायुमंडल की दशाएं मौसम को निर्धारित करने में मुख्य भूमिका निभाती हैं।

फसलों पर प्रतिकूल मौसम का प्रभाव-

प्रतिकूल मौसम फसलों को अंकुरण से लेकर उन के भंडारण तक की क्रियाओं को प्रभावित करता है जिससे उत्पादकता पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इस शीर्षक के अंतर्गत हम मौसम की उन दशाओं का वर्णन करेंगे, जो फसलों पर बुरा प्रभाव डालती हैं।

त्रुटियुक्त वर्षा - वर्षा की निम्नलिखित तीन अवस्थाएं फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं-

अनावृष्टि - वर्षा का बहुत कम होना या बिल्कुल ना होना अनावृष्टि कहलाता है। ऐसी अवस्था में खरीफ की फसलें बिल्कुल बर्बाद हो जाती हैं। केवल ऐसे क्षेत्रों को छोड़कर जहां सिंचाई की सुविधाएं हैं, फसलें सूख जाती हैं और अकाल की स्थिति उत्पन्न हो जाती है तथा रबी की फसलों की बुवाई भी अधिकतर क्षेत्रों में नहीं हो पाती।

अतिवृष्टि - वर्षा का आवश्यकता से अधिक होना अतिवृष्टि कहलाता है वर्षा की इस अवस्था से नदियों में बाढ़ आ जाती है जिससे फसलें बह जाती हैं या पानी में डूबकर सड़ जाती हैं। दूसरे, जो क्षेत्र गहरे होते हैं तथा जल निकासी की व्यवस्था नहीं होती है वहां पर अधिक दिनों तक पानी भरा रहता है जिसके कारण पौधों की जड़े गल जाती है। इससे खरीफ की फसलों में भारी हानि होती है तथा रबी की फसल पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है क्योंकि जमीन की समय पर जुताई नहीं हो पाती है जिससे रबी की फसल की बुवाई देर से होती है।

असमय वृष्टि - जब वर्षा ठीक समय पर ना होकर ऐसे समय पर होती है जब वर्षा की आवश्यकता न हो तो ऐसी वर्षा को असमय वृष्टि कहते हैं। ऐसी वर्षा फसलों की बुवाई, अंकुरण पौधों की वृद्धि तथा पकाई और भंडारण जैसी सभी क्रियाओं पर बुरा प्रभाव डालती है। उपरोक्त क्रियाओं में से कोई सी क्रिया भी नियमानुसार पूर्ण नहीं होती है जिससे उपज पर बुरा प्रभाव पड़ता है। जैसे-

(i) बुवाई से पूर्व वर्षा से दोबारा जमीन तैयार करने में समय लग जाता है जिससे फसल देर से बोई जाती है।

(ii) बुवाई के तुरंत बाद वर्षा होने से बीज के जमीन में सड़ने का भय रहता है तथा जमीन की ऊपरी सतह सूखकर कठोर हो जाती है जिससे अंकुरण नहीं होता है।

(iii) कई बार असमय वर्षा से खेतों की निराई-गुड़ाई ठीक प्रकार से नहीं हो पाती है जिससे खरपतवार अधिक उग जाती है।

(i1) फसल की पकाई के समय की वर्षा कई बार फसल को नष्ट कर देती है तथा उसकी कटाई पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है।

(1) असमय वर्षा रबी तथा खरीफ की फसलों को खलियानों से उठाने में भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है। कई बार तो उपज का काफी हिस्सा नष्ट हो जाता है।

पाले का प्रभाव - आमतौर पर पाला दिसंबर तथा जनवरी के महीनों में पड़ता है। उस समय रबी की फसलें खेतों में होती है। पाला पड़ने पर पेड़ पौधों की कोशिका का जल बर्फ में बदल जाता है जिससे पेड़ पौधों की कोशिकाएं फट जाती है (क्योंकि पानी जब बर्फ में परिवर्तित होता है तो उसके आयतन में 1/5 भाग की वृद्धि हो जाती है।) जिसके कारण पेड़-पौधे सूख जाते हैं।

ओलों का प्रभाव - मार्च-अप्रैल के महीनों में होने वाली वर्षा में अधिकतर ओले पड़ जाते हैं क्योंकि इस मौसम में जब वायुमंडल का ताप 0 हो जाता है तो वायुमंडल का जल बर्फ में परिवर्तित होकर ओलों के रूप में बरसने लगता है जिससे खड़ी फसलें नष्ट हो जाती है तथा जो फसलें पकी होती है उनके दाने खेतों में ही झड़ जाते हैं।

गर्म और तेज हवाओं का प्रभाव - मार्च-अप्रैल के माह में जब रबी की फसलों में दूध की स्थिति होती है तब दाने पकने से पूर्व गर्म तेज हवाओं के चलने से दानों का दूध सूख जाता है जिससे दानों का समुचित विकास नहीं हो पाता है तथा उपज कम हो जाती है।

फसलों पर प्रतिकूल मौसम के कुप्रभाव को दूर करने के उपाय -

फसलों को प्रतिकूल मौसम के कुप्रभाव से पूर्ण रूप से तो नहीं बचाया जा सकता है परंतु फिर भी बचाव के उपाय किए जाए तो फसलों को होने वाली हानि को काफी कम किया जा सकता है। फसलों को प्रतिकूल मौसम के कुप्रभाव से बचने के कुछ उपाय इस प्रकार हैं-

त्रुटियुक्त वर्षा के कुप्रभाव से फसलों की सुरक्षा-

त्रुटियुक्त वर्षा के अन्तर्गत वर्षा की तीन अवस्थायें - (i) अनावृष्टि, (ii) अतिवृष्टि, (iii) असमय वृष्टि आती हैं। इन तीनों अवस्थाओं से फसलों का बचाव निम्नलिखित उपायों से कर सकते हैं-

अनावृष्टि से फसलों की सुरक्षा -

अनावृष्टि की स्थिति में फसलों की सुरक्षा हेतु निम्नलिखित उपाय करने चाहिए -

01. जिन क्षेत्रों में अनावृष्टि (कम वर्षा) होती है वहां ऐसी फसलों की खेती करनी चाहिए जिनमें पानी की कम आवश्यकता होती है; जैसे - ज्वार, बाजरा, चना, सरसों, मूंगफली, आदि।

02. ऐसे क्षेत्रों में कम पानी चाहने वाली तथा कम समय में पकने वाली फसलें उगानी चाहिए और शुष्क खेती की विधि प्रयोग में लानी चाहिए। शुष्क खेती विधि के द्वारा ऐसे यंत्र का प्रयोग किया जाता है जिससे भूमि में पानी की अधिक से अधिक मात्रा बनी रहती है।

03. ऐसे क्षेत्रों में गर्मियों में जुताई अधिक की जाती है जिससे थोड़ी वर्षा होने पर भी जमीन में अधिक से अधिक नमी बनी रहती है।

04. ऐसे क्षेत्रों में खरीफ की फसल के बाद नमी को संरक्षित रखने के लिए जुताई के बाद पाटा अवश्य लगा देना चाहिए।

05. ऐसे क्षेत्रों में खरपतवार को नियंत्रित रखना चाहिए तथा मिश्रित फसलें उगानी चाहिए।

फसलों पर मौसम का अनुकूल और प्रतिकूल प्रभाव

भारतवर्ष की अधिकांश भूमि पर असिंचित खेती होती है जहां पर फसल का पैदा होना या ना होना केवल प्रकृति पर निर्भर करता है। इसके अतिरिक्त उन स्थानों पर भी जहां सिंचाई के साधन है, यदि मौसम फसलों के अनुकूल है तो अच्छी उपज होती है इसके विपरीत मौसम के प्रतिकूल दशाएं होने पर उपज अच्छी नहीं होती है। हमारे देश में मुख्यत: 3 ऋतुएँ ग्रीष्म, वर्षा तथा शरद की होती हैं। इन ऋतुओं का मौसम भिन्न-भिन्न प्रकार का होता है। इसी आधार पर भारतवर्ष में मुख्यत: फसलों को भी जलवायु के आधार पर तीन भागों में विभाजित कर सकते हैं-

खरीफ की फसलें- इन फसलों के अंतर्गत मक्का, ज्वार, बाजरा, महुआ, उर्द, लोबिया, अरहर, ग्वार, तिल, मूंगफली, कपास, सनई तथा पटसन आदि की खेती होती है। इन फसलों की बुवाई के लिए वायुमंडल का ताप ऊंचा होना चाहिए तथा वृद्धि के लिए अच्छी नमी तथा अधिक समय तक धूप की आवश्यकता होती है।

अर्थात दिन बड़े होने चाहिए तथा फसलों की पकाई के समय कम समय तक धूप की आवश्यकता पड़ती है अर्थात दिन पहले से छोटे होने चाहिए। यही कारण है कि इस श्रेणी की फसलों का समय जून से अक्टूबर तक होता है।

रबी की फसलें- इन फसलों के अंतर्गत गेहूं, जौ, चना, मटर, सरसों, रिजका, गोभी, गाजर, मूली, आदि की खेती की जाती है। इन फसलों की बुवाई के समय वायुमंडल में अच्छी नमी कम धूप तथा हल्की ठंड की आवश्यकता पड़ती है। पौधों की वृद्धि के लिए ठंडा वातावरण तथा कम समय के लिए प्रकाश की आवश्यकता पड़ती है तथा फसलों की पकाई के लिए गर्म दिन तथा अधिक समय के लिए धूप की आवश्यकता पड़ती है।

अतिवृष्टि से फसलों की सुरक्षा -अतिवृष्टि से फसलों की सुरक्षा निम्नलिखित उपायों के द्वारा की जा सकती है-

01. ऐसे क्षेत्रों में जहाँ अतिवृष्टि (अधिक वर्षा) होती है, खेतों से जलनिकासी की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए जिससे अधिक समय तक खेतों में पानी न भरा रहे।

02. ऐसे क्षेत्रों में ऐसी फसलें उगानी चाहिए जिनमे जल की अधिक आवश्यकता होती है। जैसे - धान, गन्ना, आदि।

03. ऐसे क्षेत्रों में ऐसी फसलें (अगेती फसलें) उगानी चाहिए जो जल्दी पक जाती हैं तथा अतिवृष्टि से पूर्व ही उन्हें काटा जा सके।

04. जो खेत गहरे हों उनके जल पम्पिंग सेट की सहायता से निकाल देना चाहिए, जिससे पौधों की जड़े न गल पायें।

05. ऐसे क्षेत्रों में खरीफ की फसल काटने के बाद खेतों की उथली जुताई करके उन्हें खुला छोड़ देना चाहिए जिससे खेत जल्दी सूख सके।

असमय वृष्टि से फसलों की सुरक्षा -

असमय वृष्टि से फसलों की सुरक्षा के उपाय निम्नलिखित हैं -

01. यदि फसल बोने से पूर्व पलेवा के बाद वर्षा हो जाये तो खेत को कल्टीवेटर से जुताई करके छोड़ देना चाहिए जिससे खेत शीघ्र ही जुताई के लिए सूख जाये।

02. यदि खेत की बुवाई के एक-दो दिन बाद ही वर्षा हो गई है और खेत में पपड़ी जम गई है तो ऐसी स्थिति में खूंटीदार पटेला से पपड़ी तोड़ देनी चाहिए, जिससे पौधे अंकुरित होकर बाहर निकल जायें।

03. फसल पकने के पूर्व यदि वर्षा हो गई है तो खेत के जल की निकासी का प्रबन्ध करना चाहिए।

04. यदि फसल काटने के बाद वर्षा हो जाये तो फसल को ऊँचे स्थान पर इस प्रकार रखना चाहिए जिससे कि बालियाँ ऊपर की ओर रहें।